पौष कृष्ण - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 155 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 29-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार लोकतंत्र की जननी है, कोई नीतीश कुमार इसे लाठीतंत्र नहीं बना सकते : प्रशांत

6 ले. कर्नल रामकृष्णन विश्वनाथन: 'जाएंगे तो सिर्फ तिरंगे में लिपटकर, बस भारत की विजय हो'

7 जब सुरक्षाकर्मियों ने बिग बी के साथ किया था बुरा बर्ताव

फर्स्ट टेक

सेना ने गुलमर्ग में हिमपात में फंसे पर्यटकों को बचाया

श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार दोपहर से शुरू हुई भारी हिमपात के कारण बारामूला जिले के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में फंसे पर्यटकों को सेना के चिनार कोर के जवानों ने सुरक्षित निकला लिया। सेना ने नागरिक प्रशासन से प्राप्त संकट कॉल पर तुरंत कारर्वाई करते हुए भारी हिमपात में फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित वहां से निकालने का काम शुरू किया। सेना ने एक त्वरित और समन्वित प्रयास में 30 महिलाओं, 30 पुरुषों और आठ बच्चों सहित 68 नागरिकों को निकाला। इसके अतिरिक्त, सेना ने 137 पर्यटकों को गर्म भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता प्रदान करके महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की।

पुतिन ने सशस्त्र विद्रोह के लिए सज़ा सख्त करने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

मॉस्को/एजेन्सी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सशस्त्र विद्रोह करने या उसमें भाग लेने के लिए आजीवन कारावास तक की सजा के प्रावधान वाले कानून पर हस्ताक्षर किये हैं। सरकारी कानूनी पोर्टल पर पोस्ट किए गए दस्तावेज़ में यह जानकारी दी गयी है। दस्तावेज में कहा गया है कि इस तरह की गतिविधियों से किसी व्यक्ति की मौत या अन्य गंभीर परिणाम होते हैं। कानून के अनुसार, रूस के संवैधानिक आदेश को ध्वस्त करने या जबरन बदलने या इसकी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने के उद्देश्य से सशस्त्र विद्रोह का संगठन या नेतृत्व करने पर 15 से 20 साल की कैद की सजा होगी। समान उद्देश्यों के लिए सशस्त्र विद्रोह में भाग लेने पर 12 से 20 साल की कैद की सजा का प्रस्ताव है। पुतिन ने एक अन्य कानून पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

बिहार सरकार ने 62 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने पुलिस विभाग में बड़े फेरबदल के तहत शनिवार को तीन अतिरिक्त महानिदेशकों (एडीजी) सहित भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 62 अधिकारियों का तबादला किया। गृह विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा, जिन्हें पहले डीआईजी रैंक में पदोन्नत किया गया था, अब आतंकवाद निरोधी दस्ते के डीआईजी का पदभार संभालेंगे। मिश्रा की जगह अवकाश कुमार लेंगे, जो फिलहाल सीआईडी के पुलिस अधीक्षक हैं।

सूर्यास्त	सूर्योदय
29-12-2024	30-12-2024
6:03 बजे	6:41 बजे

BSE	NSE
78,699.07	23,813.40
(+226.59)	(+63.20)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शीशा घर वाले

बता रहे संगीत मधुर वे,
जिनके बहरे कान हैं।
गीत गा रहे शास्त्रीय वे,
जिनकी कटी जुबान हैं।
दावा करे मुनाफे का वे,
जिनकी लुटी दुकान हैं।
हैं नापाक मगर वे कहते,
हम तो पाकिस्तान हैं।।

महाकुंभ के लिए आमंत्रण पत्र

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि आदित्यनाथ ने शाह को प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया। सूत्रों ने बताया कि बैठक का विस्तृत ब्योरा फिलहाल नहीं मिल पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेताओं ने उत्तर प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, आदित्यनाथ ने यहां पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और मिजोरम के नवनियुक्त राज्यपाल वीके सिंह से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने गणमान्य नेताओं को महाकुंभ की पट्टिका भी भेंट की।

तमिलनाडु के राज्यपाल-कुलाधिपति आर एन रवि ने कहा

छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। तमिलनाडु के राज्यपाल-कुलाधिपति आर एन रवि ने शनिवार को राज्य संचालित अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रा पर कथित यौन उत्पीड़न के मद्देनजर छात्रों की सुरक्षा को सर्वोपरि और समझौता नहीं करने योग्य बताते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को सुरक्षा के मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा छात्रों एवं उनके अभिभावकों से नहीं घबराने की अपील की।

रवि द्वारा विश्वविद्यालय का दौरा करने, सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने और लड़कियों और लड़कों के साथ अलग-अलग बातचीत करने के कुछ घंटों बाद आज शाम जारी एक विज्ञप्ति में राजभवन ने कहा, राज्यपाल ने कहा है कि हमारे छात्रों की सुरक्षा और भलाई से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्रों द्वारा उठाए गए सुरक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने छात्रों और उनके अभिभावकों को नहीं घबराने की सलाह दी और विश्वविद्यालय प्रशासन को सुरक्षा एवं जवाबदेही की संस्कृति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के परिसर में यौन उत्पीड़न की बेहद दुखद घटना के बाद राज्यपाल-कुलाधिपति ने आज सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने, छात्रों से बातचीत करने और छात्रों की सुरक्षा के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय का दौरा किया।

राज्यपाल ने दौरे के दौरान रजिस्ट्रार और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों से मुलाकात की उनसे बातचीत की और विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। उन्होंने लड़कियों और लड़कों से अलग-अलग बातचीत की और परिसर को और अधिक सुरक्षित और संरक्षित स्थान बनाने के लिए उनके दृष्टिकोण, सिफारिशों और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुना।

अफगानिस्तान का पलटवार

हवाई हमले के जवाब में पाकिस्तान के कई स्थानों को बनाया निशाना

■ सूत्रों के हवाले से बताया कि हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और हिंसा में तीन अफगान नागरिकों को भी जान गंवानी पड़ी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल / एपी। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसके बलों ने पिछले हफ्ते देश पर हुए घातक हवाई हमलों के जवाब में पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर हमले किए।

पाकिस्तान ने गत मंगलवार को अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में एक प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट करने और विद्रोहियों के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था। पाकिस्तान के हवाई हमलों में कई लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे।

तालिबान के रक्षा मंत्रालय की ओर से शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट की गई टिप्पणियों में कहा गया कि उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के उन स्थानों को निशाना बनाया, जिन्हें अफगानिस्तान पर हमलों की योजना और समन्वय से जुड़े तत्वों एवं उनके समर्थकों के लिए ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्ला ख्वारजामी ने हमलों के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी, साथ ही यह भी नहीं बताया गया कि हमलों को कैसे अंजाम दिया गया। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि दोनों तरफ से कोई हताहत हुआ है या नहीं।

तालिबान समर्थक मीडिया संगठन 'हुर्रियत डेली न्यूज' ने मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और हिंसा में तीन अफगान नागरिकों को भी जान गंवानी पड़ी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल पाई।

आयोजक रशीदुल्लाह हमदर्द के अनुसार, लोगों ने देश के दक्षिणपूर्वी खोस्त प्रांत में अफगानिस्तान की जवाबी कार्रवाई का जश्न मनाया।

पंचतत्व में विलीन हुए मनमोहन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को यहां निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया और उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया।

डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नमगायेल वांगचुक, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ ही कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक तथा अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही कांग्रेस में कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को काफिले के साथ निगमबोध घाट लाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के निगमबोध घाट श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

मनमोहन के अंतिम संस्कार के स्थान को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ा

नई दिल्ली/एजेन्सी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए एक अलग स्थान आवंटित नहीं किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। वहीं भाजपा ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में एक स्मारक बनाया जाएगा और इसके लिए भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं के पूरा होने में समय लगेगा। कांग्रेस ने नेता जयराम रमेश ने कल देर रात 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्ताव दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाए जहां उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए एक स्मारक बनाया जा सके।

अंतिम संस्कार को लेकर 'घटिया राजनीति' कर रही कांग्रेस : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित की थी और उनके परिवार को इसकी जानकारी भी दी थी। उन्होंने कांग्रेस पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर 'घटिया राजनीति' करने का आरोप लगाया।

नड्डा की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए कोई यथोचित स्थान नहीं देने का आरोप लगाया है, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सकता था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर 'भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री' का सरासर अपमान किया है।

नितेश राणे ने भारत को विकसित हिंदू राष्ट्र बनाने की वकालत की

कोल्हापुर/सिंधुदुर्ग/एजेन्सी। महाराष्ट्र के मत्स्य एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने शनिवार को कहा कि देश को विकसित हिंदू राष्ट्र बनाना और इसे सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी स्थित भोसले नॉलेज सिटी में अखिल भारतीय छात्र महासंघ (एआईएसएफ) के 59वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए राणे ने कहा कि हिंदुत्व के लिए काम करने के दौरान उनके खिलाफ 38 मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा, मैं देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहा हूं और राष्ट्र को पहले स्थान पर रखना जरुरी है। विकास के साथ-साथ राष्ट्र को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व करने वाले कई राजनीतिक नेताओं की जड़ें छात्रसंघ से जुड़ी हैं। उन्होंने हिंदुत्व का विरोध करने वाले नेताओं का विरोध करने का आह्वान किया।

यमन हवाई अड्डे पर इजराइल ने किए हवाई हमले: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र/एपी। इजराइल ने यमन के एक प्रमुख हवाई अड्डे पर उस समय हवाई हमले किए जब सैकड़ों यात्रियों को ला रहा एक असैन्य 'एयरबस 320' विमान उतर रहा था और संयुक्त राष्ट्र का एक प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद था। यमन में मानवीय कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी जूलियन हार्नेइस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हार्नेइस ने संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को किए गए दो हवाई हमलों की सबसे भयावह बात यह नहीं थी कि इन हमलों का उन पर और यमन की राजधानी सना के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 'वीआईपी लाउंज' में मौजूद डब्ल्यूएचओ के प्रमुख समेत लगभग 15 अन्य लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा, बल्कि सबसे खतरनाक बात यह थी कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टावर के नष्ट होने की यह घटना उस समय हुई, जब 'यमेनिया एयरवेज' का विमान वहां उतर रहा था।

बीपीएससी विवाद में गतिरोध जारी;

छात्रों ने बातचीत का प्रस्ताव ठुकराया, नीतीश कुमार से मिलने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर विवाद अब गतिरोध का रूप लेता दिख रहा है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने शनिवार को पटना जिला प्रशासन की आयोग के अधिकारियों से बातचीत की पेशकश ठुकरा दी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने का समय मांगा।

पटना के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) चंद्रशेखर सिंह ने भी अपना रुख सख्त करते हुए कहा कि वह रविवार को जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर द्वारा बुलाई गई 'छात्र संसद' की अनुमति नहीं देंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई कोचिंग संस्थान मालिक किसी भी तरह से विरोध प्रदर्शन में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

किशोर शनिवार को गर्दनीबाग गए, जहां पिछले कई दिनों से बीपीएससी के अभ्यर्थी धरना दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा, ''यहां आने से पहले मैंने शिक्षा क्षेत्र के लोगों से लंबी चर्चा की थी। मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि जहां तक बीपीएससी परीक्षाओं का सवाल है, अनियमितताएं और पेपर लीक होना अब आम बात हो गई है। ऐसे ही नहीं चल सकता... हमें इसका समाधान निकालना होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहज स्मृति योग

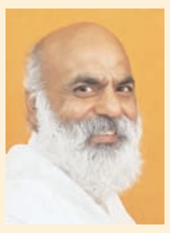

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मोक्ष कितनों को मिला यह तो सबको नहीं दिखता, पर यह तो सब ही देख सकते हैं कि गुरुओं के इर्द-गिर्द बड़ी बड़ी संस्थाएं जरूर खड़ी हो जातीं हैं।व्यापार और व्यवसाय होने लगता है। मेरा प्रश्न यह है कि गुरु का ध्यान प्राथमिक तौर पर किस पर आकृष्ट रहता है उनके पास आने वाले व्यक्तियों पर या संस्था, व्यवस्था और व्यापार व्यवसाय पर?

उत्तर: गुरु का ध्यान रहता है अस्तित्व के होने और न होने पर! इसलिए ना ही कोई व्यक्ति और ना ही उनके इर्द-गिर्द बुनी या बनी कोई संस्था, व्यवसाय या व्यापार व्यवस्था गुरु के ध्यान का आकर्षण कर पाती है। व्यापार क्या नहीं है ? व्यवसाय क्या नहीं है ? क्या संसार का कोई भी रिलीज़न या मज़हब या पंथ या वाद किसी बिलीफ़ ,मत, मान्यता,अभ्यास का व्यापार या व्यवसाय ही नहीं है? यह इस पर निर्भर करता है कि लोक में हमारे जीवन व्यवहार में और हमारी मति और विवेक में किस शब्द का हम कितना अर्थ समझ पाते हैं और क्या अर्थ समझ पाते हैं और शब्द का अर्थ जानने की यह प्रक्रिया शाश्वत है जो निरंतर आजीवन चलती रहती है गुरु ही इसका समाधान है।

कश्मीर में हिमपात से जनजीवन प्रभावित

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी के अधिकतर इलाकों में हिमपात के कारण शनिवार को सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण विमान और रेल परिचालन बाधित हुआ तथा श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद करना पड़ा।

शुक्रवार से कश्मीर में मध्यम से भारी हिमपात दर्ज किया गया, जिसमें श्रीनगर शहर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी भी शामिल है। दक्षिण कश्मीर के मैदानी इलाकों में अत्यधिक हिमपात हुआ, जबकि मध्य कश्मीर के मैदानी इलाकों में मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में करीब आठ इंच हिमपात हुआ, जबकि पड़ोसी गांदरबल में करीब सात इंच बर्फ पड़ी। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में बर्फ की करीब आठ इंच मोटी चादर बिछी नजर आयी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर लगभग 15 इंच बर्फबारी हुई जबकि अनंतनाग जिले में 17 इंच हिमपात हुआ।

पर्यटन नगरी पहलगाम में 18 इंच ताजा बर्फबारी दर्ज की गई।

अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा जिले में 10-15 इंच बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि पड़ोसी कुलगाम में 18-25 इंच और शोपियां में लगभग 18 इंच हिमपात देखा गया।

हिमपात से स्थानीय लोग और पर्यटकों तो खुश दिखे, लेकिन इससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया।

यातायात विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारी हिमपात के कारण नवयुग सुरंग में बर्फ हटाने का काम बाधित हो रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे मौसम में सुधार होने और सड़क साफ होने तक गैरजरूरी यात्रा न करें।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पटरियों पर भारी बर्फ जमा होने के कारण बनिहाल-बारामूला खंड पर ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि पटरियों से बर्फ हटाने के प्रयास जारी हैं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी से हवाई अड्डे पर विमान परिचालन स्थगित हो जाने के कारण श्रीनगर से आने-जाने वाली उड़ानों पर भी असर पड़ा है।

अधिकारियों ने बताया, खराब मौसम के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सुबह से हवाई अड्डे पर कोई भी उड़ान परिचालन नहीं हो सका।हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि बर्फ हटाने का काम जारी है, रनवे साफ हो गया है और मौसम में सुधार होने के बाद ही परिचालन फिर से शुरू हो सकता है।

शुक्रवार शाम से हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित है।

अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण घाटी के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कश्मीर क्षेत्र में 33 केवी स्तर पर 41 फीडर और 11 केवी स्तर पर 739 फीडर बंद हैं। 132 केवी या 220 केवी स्तर पर कोई भी फीडर बंद नहीं है। मरम्मत का काम हो है और आज शाम तक 90 प्रतिशत से अधिक फीडर चालू होने की उम्मीद है। मैं स्थिति पर नज़र रखने के लिए पीडीडी टीम के साथ नियमित संपर्क में हूं।लगातार हिमपात के बाद जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है, जिससे छोटे और बड़े सहित करीब 200 वाहन मार्ग पर फंस गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद है। नवयुग सुरंग क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण बर्फ हटाने का काम बाधित हो रहा है। राजमार्ग से बर्फ हटाने के लिए लोग काम कर रहे हैं और मशीनों की मदद ली जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग बंद होने के कारण यातायात अधिकारी नगरोटा और उधमपुर से कश्मीर जाने वाले वाहनों को अनुमति नहीं दे रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र के पुंछ जिले से कश्मीर घाटी को जोड़ने वाला मुगल रोड को भी बर्फ जमा होने के कारण बंद कर दिया गया है।

डिजीटल अरेस्ट रोकने देश भर में जागरुकता अभियान चलाएंगे : मिश्रा

ग्वालियर/एजेन्सी। क्यूसीएफआई के नेशनल चेप्टर अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने कहा कि डिजीटल अरेस्ट जैसी आए दिन होने वाली अपराध की घटनाओं पर भी क्यूसीएफआई का ध्यान है और हम इसे रोकने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान भी चलायेंगे।

मिश्रा क्वालिटी सर्किल फोरम आफ इंडिया के 38वें नेशनल कन्वेंशन में यह बात कही। देशभर के विभिन्न स्थानों से आए संस्थानों के प्रतिनिधियों ने क्यूसीएफआई और 5एस को लेकर तैयार अपनी अपनी केस स्टडी प्रस्तुत की। इन केस स्टडी को देखकर उद्योग व संस्थान विशेषज्ञों ने सराहना की।

मिश्रा ने कहा कि डिजीटल अरेस्ट जैसी आए दिन होने वाली अपराध की घटनाओं पर भी क्यूसीएफआई का ध्यान है और हम इसे रोकने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान भी चलायेंगे।

नेशनल कन्वेंशन में केस स्टडी प्रस्तुतिकरण में एक से एक बेहतर केस स्टडी प्रस्तुत की गई। जिसमे राष्ट्रीय केमिकल फर्टिलाइजर्स की टीम त्रिशूल ने केस स्टडी दी। इसमें पर्यावरण में अमोनिया नहीं जा पाए इसका प्रबंधन बताया गया। अग्रवाल फाउंडरी, हिंडाल्को संस्थान की टीम ने पर्यावरण केन्द्रित प्रस्तुति दी। स्टील अथोरिटी की टीम ने अपने माडल बतायें। मीनाक्षी हास्पीटल मदुरई की ब्राइट टीम, लिटिल एंजेल्स हाईस्कूल टीम ने भी प्रस्तुति दी। इससे पूर्व क्यूसीएफआई की ओर से बेस्ट चेप्टर केटेगरी, मेम्बरशिप ग्रोथ अवार्ड, बेस्ट डायरेक्टर, क्यूसीएफआई आइकान अवार्ड दिए गए।

वहीं प्रतिभागियों ने गोदरेज कन्जयूमर प्रोडक्टस, एसआरएफ लिमिटेड, जेके टायर, सूर्या रोशनी लिमिटेड की विजिट भी की। बेस्ट डायरेक्टर के अवार्ड आज बी. श्रीनिवास व अविनाश उपाध्याय को दिए गए। इस मौके पर क्यूसीएफआई के डीके श्रीवास्तव, एनके शर्मा, अक्षय, एसएम ताहिर आदि भी उपस्थित थे।

हिमाचल में 60 साल पुराना मंदिर गिराया गया

हमीरपुर/एजेन्सी

हिमाचल प्रदेश के सुजानपुर से थुरल हाईवे पर कुठेडा क्षेत्र में शिव ओर शनि देव मंदिर को उच्च न्यायालय के आदेशानुसार अतिक्रमण की जद में आए वर्षों पुराने मंदिर को शुक्रवार के गिरा दिया गया। एक व्यक्ति की शिकायत के बाद प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में लोक निर्माण विभाग की और से यह कार्रवाई की गई। मंदिर के साथ ही एक व्यक्ति के मकान के छज्जे को भी तोड़ा गया है। मकान का यह छज्जा भी अतिक्रमण के दायरे में आ रहा था। मंदिर को गिराने के लिए जैसे ही लोक निर्माण विभाग प्रशासन और पुलिस के साथ पहुंचा वैसे ही ग्रामीणों का विरोध शुरू हो गया।

ग्रामीण मंदिर गिरने की विरोध में सड़क मार्ग पर उतर आए। इनका कहना था कि यह मंदिर लगभग 60 साल पुराना है तथा क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रतीक है। पहले यहां पर सिर्फ मूर्तियां ही होती थीं लेकिन लोगों ने आपसी सहयोग से इस मंदिर का निर्माण करवाया था। ग्रामीणों ने यहां तक कहा कि यदि मंदिर को गिराया गया है तो फिर इलाके की पूरी तख्तीस की जाएगी और जिन लोगों ने सरकारी भूमि पर कोई निर्माण किया है उसे भी हटाया जाए। ग्रामीणों का कहना था कि मंदिर को इस तरह से नहीं हटाया जाना चाहिए। आस्था से जुड़े मंदिर को हटाने से पूर्व परिस्थितियों को भागते हुए लोक निर्माण विभाग ने पुलिस विभाग की मदद ली थी।

ग्रामीणों के आक्रोश को शांत करने के लिए तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे। लोगों के विरोध के बीच अतिक्रमण के दायरे में आए मंदिर को गिरा दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार किसी एक व्यक्ति ने सुजानपुर से थुरल हाईवे पर अतिक्रमण के संदर्भ में शिकायत की थी। इसके बाद पाया गया कि कुठेडा के पास मंदिर तथा एक मकान का छज्जा अतिक्रमण के दायरे में आ रहा है। मामले की पूरी जांच करने के बाद शुक्रवार के दिन लोक निर्माण विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी अतिक्रमण को हटाने के लिए पहुंचे। यहां पर प्रशासनिक अधिकारियों को देखकर ग्रामीण भड़क गए तथा मंदिर को ना गिरने की बात कहने लगे। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि अतिक्रमण कई जगहों पर हुआ है वहां पर तो ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। क्षेत्र के लोगों के आस्था के प्रतीक इस मंदिर को क्यों गिराया जा रहा है। ग्रामीण लोगों का कहना है कि लगभग 60 साल पुराना यह मंदिर है। उन्होंने कहा कि पहले यहां पर सिर्फ मूर्तियां होती थी लेकिन लोगों ने मिलकर यहां पर मंदिर का निर्माण किया। उनका कहना था कि मंदिर को नहीं गिरना चाहिए था। लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में कई लोगों ने इस तरह के अतिक्रमण कर रखे हैं उनके ऊपर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अभिषेक शर्मा का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने शिकायत की थी जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं अन्य जगहों पर भी अतिक्रमण किया गया है तो शिकायत के आधार पर वहां भी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने 'आप' पर जासूसी का आरोप लगाया, उपराज्यपाल ने जांच का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जासूसी और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब से बड़ी मात्रा में नकदी दिल्ली लाए जाने के कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के आरोप पर जांच के आदेश दे दिए हैं।

दीक्षित ने 25 दिसंबर को लिखे पत्र में दिल्ली में अपने आवास के बाहर 'पंजाब सरकार' के खुफिया कर्मियों की कथित मौजूदगी का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कर्मियों से जुड़े 'आधिकारिक वाहन' अकसर उनके घर के बाहर देखे जाते हैं, जो कहीं न कहीं निगरानी का संकेत है।

हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। दिल्ली और पंजाब दोनों जगह 'आप' की सरकार है। सक्सेना ने आरोपों पर तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है। दीक्षित ने इसके अलावा पंजाब सरकार पर चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए दिल्ली में ''बड़ी मात्रा में नकदी'' (करोड़ों में) भेजने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान होकर कुछ 'निजी वाहन' दिल्ली आ रहे हैं जो अकसर पंजाब पुलिस की सुरक्षा में होते हैं। उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को शहर की सीमाओं पर वाहनों की जांच करने के लिए ''तत्काल कदम'' उठाने का आदेश दिया, खासकर ऐसे वाहन जो पंजाब से आते हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के पुलिस महानिदेशकों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखने की सलाह दी गई है। दिल्ली के मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया कि वह मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सूचित करें कि चुनाव की तारीख नजदीक आते ही सतर्कता बढ़ा दी जाए। दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है।

रिलायंस फाउंडेशन ने धीरूभाई अंबानी की जयंती पर घोषित की स्नातक पाठ्यक्रमों की 5000 छात्रवृत्ति

मुंबई/एजेन्सी। अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस उद्योग समूह के सामाजिक कार्य पर केंद्रित संगठन रिलायंस फाउंडेशन ने समूह के संस्थापक स्वर्गीय धीरूभाई अंबानी की 92वीं जयंती पर पांच हजार छात्र-छात्राओं की सूची जारी की है जिन्हें फांडेशन की ओर से स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी।

रिलायंस फाउंडेशन की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि वर्ष 2024-25 की उसकी अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप के तहत प्रत्येक छात्र को दो लाख रुपए तक का अनुदान मिलेगा। स्कॉरशिप की पूरी सूची डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. रिलायंसफाउंडेशन.ओआरजी पर देखी जा सकती है। आवेदन करने वाले विद्यार्थी अपनी 17-अंकीय आवेदन संख्या या फिर पंजीकृत ईमेल आईडी दर्ज करके अपने अवेदन का परिणाम जान सकते हैं। छात्रवृत्ति के लिए एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। छात्रवृत्ति के लिए चयनित विद्यार्थियों में से करीब 70 फीसदी की पारिवारिक वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से कम है। इस बार छात्रवृत्ति के लिए 29 राज्यों के 540 जिलों के 1300 शिक्षण संस्थानों से जुड़े हैं। सबसे अधिक जिन राज्यों के छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी, उनमें आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल हैं।

रिलायंस फाउंडेशन के प्रवक्ता ने एक लाख से अधिक आवेदन आने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, चयनित विद्यार्थी देश के सबसे मेधावी छात्रों में से एक हैं। शिक्षा भविष्य की कुंजी है, और हमें इन छात्रों की शैक्षणिक यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है। प्रतिष्ठित रिलायंस फाउंडेशन अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप के माध्यम से हमारा लक्ष्य, छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करना है। ताकी भारत के विकास में वे अपना योगदान दे सकें।

प्रदर्शन

अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन के सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

सीबीआई ने शिमला में ईडी अधिकारी के परिसरों में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शिमला में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उस सहायक निदेशक के परिसर में छापेमारी की है, जो रविवार को एक अभियान के दौरान एजेंसी को चकमा देकर फरार हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिमला में तैनात ईडी के सहायक निदेशक और उनके भाई विकास दीप, जो दिल्ली में पंजाब नेशनल बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक हैं, एक व्यवसायी से कथित तौर पर रिश्वत की रकम लेने चंडीगढ़ गए थे। व्यवसायी पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज है।

अधिकारियों ने बताया कि व्यवसायी ने कथित जबरन वसूली के बारे में सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर एजेंसी की चंडीगढ़ इकाई ने एक योजना बनाई, जिसमें शिकायतकर्ता को अधिकारी को 55 लाख रुपए नकद रिश्वत देने के लिए कहा गया और सीबीआई के अधिकारी इस पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने बताया कि यह योजना बनाई गई थी कि कथित तौर पर रिश्वत प्राप्त करने के बाद सीबीआई आरोपी को पकड़ लेगी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) से प्रतिनियुक्ति पर आए ईडी अधिकारी को कार्रवाई के दौरान सूचना मिल गई और वह नकदी लेकर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि एजेंसी पिछले छह दिन से उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रही है।

शीशमहल का काला सच जनता को बताएं केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली/एजेन्सी

दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री आवास में हुए खर्चे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह खुद अपने शीशमहल का काला सच जनता को बताएं, क्योंकि जनता जानना चाहती है कि इसके अंदर आखिर कैसे राज दफन हैं, जिन्हें छुपाया जा रहा है।

भाजपा नेता एवं दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 06 फ्लैग स्टॉफ रोड में किए गए अवैध निर्माण और उसमें लगाए गए बेशकीमती संसाधनों को लेकर केजरीवाल को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा कि वे खुद सामने आकर जनता को अपने इस शीशमहल का काला सच बतायें, क्योंकि जनता जानना चाहती है कि आखिर इस शीशमहल का सच क्या है। इसके अंदर ऐसे आखिर कौन से राज दफन हैं, जिन्हें जनता से छुपाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर उनकी ऐसी क्या योजना थी, जिसमें 200 करोड़ रुपए की लागत से अवैध निर्माण करने की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने बताया कि 10 हजार वर्ग गज के मुख्यमंत्री आवास को कई फ्लैट तोड़कर लगभग 50,000 वर्ग गज यानी 10 एकड़ के विशाल क्षेत्र में मुख्यमंत्री के लिए आलीशान शीश महल खड़ा कर दिया गया। जिन बंगलों को तोड़कर इस शीशमहल में मिलाया गया, उनमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का आवास था।

गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि इन सभी सरकारी संपत्तियों को मिलाने के लिए किसी सक्षम प्राधिकरण से अनुमति नहीं ली गई और इसी कारण सरकारी रिकॉर्ड में आज भी ये संपत्तियां अपने पुराने नंबरों के रूप में दर्ज हैं। उन्होंने यह अवैध निर्माण कार्य बदस्तूर जारी रहता, यदि विपक्ष इस मामले को जनता के सामने न लाता।

उन्होंने कहा कि इसमें सिर्फ निर्माण कार्य में ही किए गए, बल्कि इस सरकारी आवास में करोड़ों रुपए का आरामदायक लग्जरी साजो-सामान भी लगा दिया गया। यह वह दौर था, जब देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था और केजरीवाल अपने इस आलीशान शीशमहल को सजाने के लिए इसमें महंगे सामान को जुटाने की खातिर 'नई शराब नीति' की इबारत लिखते रहे थे। उन्होंने कहा, पुरानी शराब नीति के होते हुए भी 'नई शराब नीति' बनाने का मकसद सिर्फ शराब माफिया को बेजा फायदा पहुंचाना था, जिसके बदले में केजरीवाल ने अपने शीशमहल में सोने की कमोड, 28 लाख के टीवी, करोड़ों के पर्दे, महंगे सोफे, रीक्लाइनिंग चेयर्स जैसा लग्जरी सामान जुटा लिया।

भाजपा नेता के अनुसार यह सारा सामान 2022 में जुटाया गया और इसका खुलासा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 2022 की वस्तु-सूची की फेहरिस्त (इन्वेंटरी लिस्ट) और 2024 में शीशमहल खाली करने के बाद बनाई गई इन्वेंटरी लिस्ट के मिलान के बाद हुआ। पीडब्ल्यूडी ने यह स्पष्ट किया कि दोनों इन्वेंटरी लिस्ट में भारी असमानता है।

गुप्ता ने सवाल किया कि यदि पीडब्ल्यूडी ने यह सामान नहीं दिया, तो यह सामान आया कहां से? जाहिर है यह सामान शराब माफिया ने ही केजरीवाल के अहसानों का बदला चुकाने के लिए उपलब्ध करवाया था। उन्होंने सवाल किया कि वह बताएं कि क्या केजरीवाल ने खुद यह सामान अपने पैसों से खरीदा था। उन्होंने कहा कि इस मसले पर केजरीवाल की चुप्पी बता रही है कि शराब माफिया ने ही उन्हें यह सामान दिया, जिसके फायदे के लिए केजरीवाल ने शराब की बिक्री पर मिलने वाले कमीशन को 05 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया और इस बढ़ाई गई कमीशन की रकम का मोटा हिस्सा केजरीवाल को सहूलियत और आरामदायक संसाधन सामान उपलब्ध करवाने में खर्च किया गया।

भाजपा नेता ने कहा कि इस मामले में भ्रष्टाचार की शिकायत विपक्ष द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग में शिकायत दर्ज करवाने के बाद आयोग ने दिल्ली सतर्कता विभाग को जांच के लिए कहा और जिसने जांच को आगे बढ़ाते हुए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को इस मामले में 05 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा, लेकिन अभी तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है।

गुप्ता ने आरोप लगाया है कि सरकार द्वारा पीडब्ल्यू विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है, इसलिए अभी तक उनकी ओर से कुछ जवाब नहीं दिया गया।

प्रयागराज में शनिवार को साधु महा कुंभ मेला 2025 उत्सव में भाग लेने के लिए धुंध भरी सुबह में चलते हुए।

नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलूरु में नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। शहर के व्यस्त एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में लोगों की सुरक्षा और यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों सहित 11,830 पुलिसकर्मी, नागरिक सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मी पूरे शहर में रेव पार्टियों और नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने केवल रात एक बजे तक नए साल का जश्न मनाने की अनुमति दी है और जनता को सिर्फ निर्धारित समय सीमा के भीतर ही जश्न मनाने की इजाजत होगी।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हर साल की तरह इस बार भी पुलिस ने नए साल पर किसी अप्रिय घटना को टालने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

उन्होंने कहा, पिछले साल की घटनाओं और अनुभवों के आधार पर हम सुरक्षा व्यवस्था में सुधार कर रहे हैं। हमने उन इलाकों की पहचान कर ली है, जहां लोग बड़ी संख्या में एकत्र होने वाले हैं। एमजी रोड, ब्रिगेड रोड जंक्शन, कोरमंगला, इंदिरानगर सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दयानंद ने कहा, बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी), मेट्रो और अन्य निकायों के साथ बैठकें एवं विचार-विमर्श किया गया है। उनसे रोशनी की व्यवस्था, अवरोधकों और रात में मेट्रो सेवा की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि ओला और उबर के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें की गई हैं और 'पिकअप लोकेशन' की व्यवस्था की गई है।

दयानंद ने कहा, भगदड़ जैसी स्थिति न हो, इसके लिए एमजी रोड और ब्रिगेड रोड पर पैदल यात्रियों के लिए सिर्फ सड़क के एक तरफ चलने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लोग कावेरी एम्पोरियम से ओपेरा जंक्शन तक पैदल जा सकेंगे, लेकिन वे विपरीत दिशा में पैदल नहीं आ पाएंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे किसी भी तरह का 'फेस मास्क' न पहनें।

उन्होंने कहा, अगर उन्हें एमजी रोड पर वापस आना है, तो वे रेजीडेंसी रोड-रेजीडेंसी क्रॉस रोड (शंकरनाग सिनेमा) मार्ग से आ सकते हैं। एमजी रोड, ब्रिगेड रोड, रेस्ट हाउस रोड, चर्च स्ट्रीट, रेजीडेंसी रोड और सेंट मार्क्स रोड पर वाहन खड़ा करने वाले चालकों/मालिकों को 31 दिसंबर को शाम चार बजे तक क्षेत्र खाली करना पड़ेगा, वरना उन पर कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस के अनुसार, हादसों और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए 31 दिसंबर 2024 को रात 11 बजे से एक जनवरी 2025 को सुबह छह बजे तक शहर के सभी फ्लाईओवर (केआईए हवाई अड्डे की ओर जाने वाले एलिवेटेड एक्सप्रेसवे को छोड़कर) पर हर तरह के वाहन की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा।

इसने कहा कि कैंपागौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (केआईए) एलिवेटेड एक्सप्रेसवे पर 31 दिसंबर 2024 को रात 10 बजे से एक जनवरी 2025 को सुबह छह बजे तक दोपहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक होगी। पुलिस के अनुसार, शराब व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विमोचन

राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने शनिवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में सपना बुक हाउस द्वारा प्रकाशित 69 पुस्तकों का विमोचन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले में कानून व्यवस्था की विफलता पर मंत्री प्रियांक खरगे के खिलाफ शनिवार को कलबुर्गी के जगथ सर्कल के पास विरोध प्रदर्शन किया।

कर्नाटक विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होकर ट्रांसजेंडर शिक्षक ने रचा इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। विजयनगर कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय में 27 वर्षीय केएन रेणुका पुजार की नियुक्ति के साथ ही वह कर्नाटक के किसी विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होने वाली पहली ट्रांसजेंडर बन गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुजार ने विश्वविद्यालय में कन्नड़ में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की और इस महीने की शुरुआत में अतिथि व्याख्याता के रूप में नंदीहल्ली परिसर (पीजी केंद्र) में कन्नड़ विभाग में शामिल हुईं।

बल्लारी जिले के कुरुगोडु की रहने वाली पुजार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मैं बहुत खुश हूं। काफी संघर्ष के बाद मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। विश्वविद्यालय ने मेरी बहुत मदद की है। मैंने 2018 में अपनी डिग्री पूरी की थी। मैंने 2022 में परास्नातक (एमए) पूरा किया और अतिथि व्याख्याता के रूप में काम कर रही हूं। पुजार ने कहा कि उन्हें अपने माता-पिता से समर्थन मिला, जिससे उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली।

उन्होंने कहा कि उनका परिवार कृषि पृष्ठभूमि से है और उनके माता-पिता ने उन्हें जीवन में सफल होने के लिए शिक्षित किया। पुजार ने कहा, जब मैंने एमए में दाखिला लिया तो पढ़ाई के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी मेरी काफी मदद की। मुझे पढ़ाना पसंद है और मैं पीएचडी करना चाहती हूं और प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि ट्रांसजेंडर भी शिक्षा प्राप्त करें।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार, पद के लिए आवेदन करने वाले तीस उम्मीदवारों में से पुजार के पास आवश्यक योग्यताएं और अच्छे अंक थे तथा उसने व्याख्यान में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसके कारण समिति ने उनका चयन किया।

बीदर ठेकेदार आत्महत्या मामले में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में दो हेड कांस्टेबल निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कर्नाटक के बीदर में 26 वर्षीय एक ठेकेदार द्वारा ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने के मामले में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में गांधीगंज पुलिस थाने में तैनात दो हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राजेश चेलवा और शमाला को शुक्रवार को निलंबित किया गया क्योंकि उन्होंने पीड़ित के परिवार द्वारा पुलिस थाने पहुंचने पर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज नहीं की थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय दोनों हेड कांस्टेबल ने परिवार को धन्नूर पुलिस थाने जाने का सुझाव दिया और कहा कि पीड़ित कट्टी तुगांव गांव की है। उन्होंने बताया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में दोनों हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है।

बीदर के भालकी तालुक के तुंगदकट्टी के मूल निवासी सचिन पांचाल ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग में एक ठेका लिया था। सुसाइड नोट में पंचाल ने आरोप लगाया कि पूर्व पार्षद राजू कपनूर और सात अन्य लोग उनकी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। कपनूर कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे के कथित तौर पर करीबी सहयोगी हैं। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए खरगे ने कहा था कि उन्हें मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी मिली है और वह व्यक्तिगत रूप से जांच की मांग करेंगे ताकि मामले में सच सामने आ सके।

पेरिया दोहरा हत्याकांड मामला

अदालत ने माकपा के पूर्व विधायक सहित 14 लोगों को दोषी पाया

कोच्चि। केरल के कासरगोड जिले के पेरिया में पांच वर्ष पहले युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं कृपेश और सरत लाल की हत्या के मामले में शनिवार को यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक अदालत ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व विधायक समेत 14 आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने 24 आरोपियों में से पहले आठ आरोपियों को हत्या और साजिश के आरोपों में दोषी ठहराया जबकि अन्य छह आरोपियों को साजिश, सबूत नष्ट करने और अपराध को अंजाम देने में सहायता प्रदान करने का दोषी पाया गया। शेष 10 आरोपियों को हालांकि मामले में बरी कर दिया गया। अदालत तीन जनवरी को सजा सुनाएगी।

यह मामला 17 फरवरी, 2019 को कथित तौर पर माकपा कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश (19) और सरत लाल पी के (24) की हत्या से संबंधित है। दोषी पाए गए आरोपियों में माकपा के पूर्व विधायक व जिला नेता केवी कुन्हीरामन, कान्हानगढ़ ब्लॉक पंचायत अध्यक्ष के मणिकंदन, माकपा की पेरिया स्थानीय समिति के सदस्य ए. पीतांबरन और पक्कम के पूर्व स्थानीय सचिव राघवन वेलुथोली शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इलाके में माकपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक रूप से प्रेरित हमलों और जवाबी हमलों के बाद दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

सीबीआई ने इस मामले में माकपा के छह कार्यकर्ताओं सहित 24 लोगों के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और गैरकानूनी तरीके से सभा जैसे विभिन्न आरोपों के तहत आरोप पत्र दायर किया था। केंद्रीय एजेंसी ने केरल उच्च न्यायालय के निर्देश पर 23 अक्टूबर, 2019 को केरल पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली थी। राज्य पुलिस की अपराध शाखा ने 20 मई 2019 को 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था लेकिन कृपेश और सरत के माता-पिता ने पुलिस के निष्कर्षों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आरोप पत्र को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

मृतक सरत के पिता सत्यनारायणन ने फैसले पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने हालांकि कहा कि जब तक सभी आरोपियों को न्याय के कठघरे में नहीं लाया जाता, तब तक कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा, दस आरोपियों को बरी कर दिया गया और हम अभियोजक से परामर्श करने के बाद कानूनी कार्रवाई करेंगे।

जश्न

चेन्नई के एक कॉलेज में नए साल के जश्न के दौरान अपने चेहरे पर रंगे चेहरे के साथ पोज देती छात्रा।

मद्रास उच्च न्यायालय ने अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले में एसआईटी जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शनिवार को राज्य संचालित अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न की विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच के आदेश दिए और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह प्राथमिकी में उसकी पहचान उजागर होने के बाद पीड़िता को हुए मानसिक आघात के लिए 25 लाख रुपये का मुआवजा दें।

न्यायालय ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि वह पीड़िता को उसके मानसिक आघात को देखते हुए आवश्यक मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के अलावा मुफ्त शिक्षा और छात्रावास सुविधाएं प्रदान करें। न्यायालय ने पुलिस को पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

न्यायालय ने चेन्नई पुलिस आयुक्त ए अरुण को प्राथमिकी लीक होने पर फटकार लगाने के बाद सुनवाई फिर से शुरू करते हुए जिसमें पीड़िता की पहचान उजागर हुई थी और यह निष्कर्ष निकाला गया था कि गिरफ्तार व्यक्ति ही असली अपराधी है और अपराध में केवल एक ही व्यक्ति शामिल है।

न्यायमूर्ति एसएम सुब्रमण्यम और वी लक्ष्मीनारायण की पीठ ने चल रही जांच में विभिन्न चूकों को उजागर करने के बाद भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की तीन महिला अधिकारियों स्नेहा प्रिया, अयमान जमाल और बृंदा की एसआईटी टीम को जांच का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि एसआईटी प्राथमिकी लीक मामले की भी जांच करेगी।

पीठ ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण माना कि प्राथमिकी लीक होने से ही पीड़िता को शर्मसार होना पड़ा। इससे उसे और अधिक मानसिक पीड़ा हुई है।

यह देखते हुए कि महिलाओं की सुरक्षा करना राज्य और समाज का कर्तव्य है पीठ ने प्राथमिकी लिखने के तरीके को गंभीरता से लिया और कहा यह उसे दोषी ठहराकर या शर्मिंदा करके नहीं किया जा सकता।

न्यायालय ने कहा यह महिलाओं के प्रति द्वेषपूर्ण है। संविधान पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर नहीं करता है और समाज को महिलाओं को नीचा दिखाने में शर्म महसूस करनी चाहिए।

न्यायालय ने आगे पूछा कि एक महिला स्वतंत्र रूप से अकेले क्यों नहीं चल सकती, अपनी इच्छानुसार कपड़े क्यों नहीं पहन सकती या किसी पुरुष से बिना किसी आलोचना के बात क्यों नहीं कर सकती। न्यायालय ने कहा, एक महिला को सामाजिक कलंक से ऊपर उठना चाहिए। यह कभी उसकी गलती नहीं थी, केवल समाज ने ही उसे आंका है।

वायनाड में कांग्रेस नेता और उनके बेटे की मौत मामले की जांच शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। पुलिस ने कांग्रेस के स्थानीय नेता एन एम विजयन और उनके बेटे की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। विजयन और उनके बेटे जिजेश ने कथित तौर पर जहर खा लिया था। मृतकों की पहचान वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के कोषाध्यक्ष और सुल्तान बाथेरी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष विजयन (78) और उनके बेटे जिजेश (38) के रूप में हुई है। दोनों की मौत कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई, जहां उनका इलाज किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि शनिवार को शवों का पोस्टमार्टम होगा जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता एवं उनके पुत्र का अंतिम संस्कार सुल्तान बाथेरी में उनके आवास पर शाम पांच बजे निर्धारित किया गया है। पुलिस ने बताया कि विजयन और जिजेश के पड़ोसियों ने मंगलवार को उन्हें उनके घर पर गंभीर हालत में पाया। उसने बताया कि दोनों ने कथित तौर पर जहर खाया था। उन्हें पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिजेश की शुक्रवार को शाम साढ़े छह बजे मौत हो गई और उसके बाद विजयन ने रात साढ़े नौ बजे दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि यह आत्महत्या का मामला है इसलिए उनके आवास की तलाशी ली गई, लेकिन कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला। विजयन वायनाड में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता थे। 'सुल्तान बाथेरी कोऑपरेटिव बैंक' के पूर्व कर्मचारी जिजेश स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लंबे समय से बिस्तर पर थे। विजयन अपनी पत्नी सुमा की मौत के बाद से अपने बेटे जिजेश की देखभाल करते थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, विजयन के परिवार में उनका बड़ा बेटा विजेश है।

केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को बेंगलूरु में कर्नाटक रक्षणा वेदिके (कारवे) द्वारा आयोजित 'हेसरायितु कर्नाटक' प्रतिज्ञा कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

त्रिशूर के मंदिरों में आतिशबाजी के प्रदर्शन की अनुमति न मिलने पर विवाद

त्रिशूर। यहां के प्रसिद्ध परमेक्कावु और थिरुवम्बाडी मंदिरों में पारंपरिक अनुष्ठान 'वेला एजुन्नालिप्पु' के दौरान आतिशबाजी के प्रदर्शन की अनुमति देने से जिला प्रशासन द्वारा इनकार करने पर विवाद पैदा हो गया है। अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर वार्षिक अनुष्ठान में आतिशबाजी की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके लिए केंद्र सरकार के विस्फोटक पदार्थ नियमों में नए संशोधन और उसके अनुरूप विभिन्न राज्य सरकार के विभागों की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। 'वेला एजुन्नालिप्पु' अनुष्ठान और दोनों मंदिरों में आतिशबाजी का प्रदर्शन जनवरी के पहले सप्ताह में निर्धारित है। आदेश में जिला प्रशासन ने कहा कि क्षेत्र में आतिशबाजी का प्रदर्शन करने के लिए कोई भौतिक परिस्थिति नहीं है और इससे जनता के जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित जांच अधिकारियों की राय पर भी विचार किया गया है कि सार्वजनिक जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आतिशबाजी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आदेश तिरुवंबडी देवस्वओम द्वारा आतिशबाजी के प्रदर्शन की अनुमति के लिए किये गए अनुरोध पर दिया गया था। इस बीच, केंद्रीय विस्फोटक पदार्थ नियम दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए आतिशबाजी के प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करने के आदेश पर मंदिर प्रबंधन की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई।

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

9 नए जिले समाप्त, आचार संहिता से पहले घोषित 3 नए जिले भी निरस्त, 8 नए जिले यथावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ युवाओं के हित, प्रदेश में सुशासन और समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण फैसले किए गए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कैबिनेट ने पिछली सरकार के समय में गठित जिलों और संभागों का पुनः निर्धारण किया है, जिसके बाद अब प्रदेश में कुल 7 संभाग और 41 जिले होंगे।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले एवं 3 नवीन संभाग बनाने का निर्णय लिया था, जिसके क्रम में राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 5 अगस्त 2023 को अधिसूचना जारी कर जिलों व संभागों का सृजन किया गया था। तीन नए जिलों की घोषणा विधानसभा चुनाव-2023 की आचार संहिता से एक दिन पहले की गई, जिनकी अधिसूचना भी जारी नहीं हो सकी थी।

पटेल ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार ने नवीन जिलों एवं संभागों का गठन पूरी तरह से राजनीतिक लाभ लेने के लिए किया। इसमें वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, प्रशासनिक आवश्यकता, कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक सामंजस्य आदि किसी भी महत्वपूर्ण बिन्दु को ध्यान में नहीं रखा गया। नए जिलों के लिए पिछली सरकार ने कार्यालयों में न तो आवश्यक पद सृजित किए और न ही कार्यालय भवन बनवाए। बजट एवं अन्य सुविधायें भी उपलब्ध नहीं कराई गई।

उन्होंने कहा कि गत सरकार के इस अविवेकपूर्ण निर्णय की समीक्षा करने हेतु राज्य सरकार द्वारा एक मंत्रिमण्डलीय उप-समिति और इसके सहयोग के लिए सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. ललित के. पंवार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। विशेषज्ञ समिति द्वारा नवगठित जिलों एवं संभागों के पुनर्निर्धारण के संबंध में तैयार की गई रिपोर्ट एवं सिफारिशें मंत्रिमण्डलीय उप-समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा प्रस्तुत सिफारिशों पर विचार करते हुए नए सृजित जिलों में से 9 जिलों अनूपगढ़, दूदू, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीम का थाना, सांचौर व शाहपुरा तथा नवसृजित 3 संभागों बांसवाड़ा, पाली, सीकर को समाप्त करने का निर्णय मंत्रिमण्डल द्वारा लिया गया है। आचार संहिता से ठीक पहले घोषित 3 नए जिलों मालपुरा, सुजानगढ़ और कुचामन सिटी को भी निरस्त करने का निर्णय राज्य मंत्रिमण्डल ने लिया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि मंत्रिमण्डल के इस निर्णय के बाद अब राजस्थान में कुल 7 संभाग एवं 41 जिले हो जाएंगे। यथावत रखे गए 8 नए जिलों फलौदी, बालोतरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन और सलूम्बर में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए राज्य सरकार सभी जरूरी वित्तीय संसाधन एवं अन्य सुविधाएं मुहैया कराएगी। इससे इन नए जिलों में रहने वाले आमजन को इन जिलों के गठन का लाभ वास्तविक रूप में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अब जिला परिषदों, पंचायत समिति और ग्राम पंचायतों का भी पुनर्गठन किया जाएगा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के नियम 14 की अनुसूची-1 में संशोधन, राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिक वर्गीय सेवा (समान पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में सीईटी स्कोर की वैधता 3 वर्ष करने, पशुधन सहायक को पदोन्नति का तीसरा अवसर उपलब्ध करवाने एवं इस संवर्ग के पदनामों में परिवर्तन के लिए सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

बोरवेल में गिरी बच्ची की मां ने पूछा, 'किसी कलेक्टर की बेटी होती तो क्या होता'?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को निकालने का अभियान शनिवार को भी जारी रहने के बीच उसकी मां ने पूछा कि 'अगर वह कलेक्टर मैडम की बेटी होती, तो क्या वह उसे इतने लंबे समय तक वहां रहने देतीं।' धोली ने संवाददाताओं से कहा, मेरी बेटी को कुएं में छह दिन हो गए हैं। वह भूख और प्यास से तड़प रही है। उसे अभी तक बाहर नहीं निकाला गया है। अगर वह कलेक्टर मैडम की बच्ची होती तो क्या वह उसे इतने लंबे समय तक वहां रहने देतीं? कृपया मेरी बेटी को जल्द से जल्द बाहर निकालें।

इस बीच बच्ची की मां धोली देवी बचाव दल में शामिल कर्मचारियों से उसकी बेटी को बाहर निकालने की लगातार गुहार कर रही है। उसका एक वीडियो शनिवार को सामने आया, जिसमें वह रोती हुई और हाथ जोड़कर बेटी को बाहर निकालने के लिये गुहार लगा रही हैं। यह वीडियो स्थानीय पुलिस और प्रशासन की मदद से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ और राज्य आपदा मोचन बल एसडीआरएफ की टीमों द्वारा लगातार चलाए जा रहे बचाव अभियान के बीच सामने आया। राजस्थान के कोटपूतली जिले की बडीयाली ढाणी में तीन साल की चेतना 23 दिसंबर को खेत में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गई थी।

बचाव दल में लगी टीम ने शुरू में लोहे के छल्ले की मदद से बच्ची को बोरवेल से निकालने की कोशिश की लेकिन सभी प्रयास विफल रहे। दो दिन तक लगातार प्रयास करने के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला तो बुधवार सुबह मौके पर पाइलिंग मशीन लाई गई और समानांतर गड्ढा खोदा गया। शुक्रवार को बारिश के कारण बचाव अभियान बाधित हुआ और आज दो सदस्यीय टीम सुरंग खोदने के लिए कुएं में उतरी है।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया, बोरवेल के पास समानांतर गड्ढा खोदकर एल आकार की सुरंग के जरिए चेतना तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। गड्ढे में उतरे एनडीआरएफ के दो जवान मैन्युअल ड्रिलिंग कर रहे हैं। हम उन्हें कैमरे पर देख रहे हैं। वे नीचे से जो उपकरण मांग रहे हैं, उन्हें भेजा जा रहा है। सरुंड के थानाधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया, हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार अभियान में जुटी हैं। कल बारिश के कारण काम बाधित हुआ।

यह अलग बात है कि समय बीतने के साथ बच्ची के स्वस्थ बचे होने की उम्मीद लगातार क्षीण होती जा रही है क्योंकि बचाव दल उसे खाने पीने का कोई सामान उपलब्ध नहीं करवा पाया है। डॉक्टरों की एक टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर है। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल और अन्य प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दो हफ़्ते पहले, दौसा जिले में पांच साल का एक बच्चा बोरवेल में गिर गया था और बचाव अभियान 55 घंटे से ज़्यादा चला था। हालांकि जब तक उसे बाहर निकाला गया तब तक वह जिंदगी की जंग हार चुका था।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर राजग सरकार ने अनावश्यक विवाद खड़ा किया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर 'अनावश्यक विवाद' पैदा किया है। भारत में 'आर्थिक सुधारों के जनक' कहने जाने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। शनिवार को निगम बोधघाट पर राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, राजग सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जी जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा किया है। जिस व्यक्ति को दुनिया सम्मान दे रही है उसका अंतिम संस्कार भारत सरकार किसी विशेष स्थान की जगह निगम बोध घाट पर करवा रही है।

गहलोत ने लिखा, 2010 में हमारी सरकार ने भाजपा द्वारा मांग किए बिना ही पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के निधन के बाद उनके परिवार से बात करके जयपुर में उनके अंतिम संस्कार के लिए तुरंत विशेष जगह आवंटित की एवं वहीं स्मारक निर्माण करवाया। कांग्रेस सरकार ने 2012 में महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के निधन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में विशेष स्थान आवंटित कर अंतिम संस्कार करवाया था। गहलोत ने लिखा, कांग्रेस ने हमेशा सभी पार्टियों के नेताओं को सम्मानजनक विदाई दी परन्तु भाजपा द्वारा डॉ मनमोहन सिंह जी के साथ ऐसा व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, आज उनके निधन पर पूरा देश शोक में है और देश के लोगों ने सरकार के इस कदम पर नाराजगी जताई तो जनभावना के दबाव में भाजपा सरकार भविष्य में स्मारक बनाने की घोषणा कर रही है।

देश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति 29 और 30 को जयपुर में करेंगे कृषि विकास पर मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश भर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति 29 और 30 दिसंबर को राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषि विकास पर मंथन करेंगे। कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर और इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एसोसिएशन (आईएयूए) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में उद्यानिकी फसलों में संरक्षित खेती-चुनौतियां एवं सशक्त उपाय विषय पर आयोजित दो दिवसीय यह राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन जयपुर के रारी दुर्गापुरा में किया जाएगा। यह कार्यक्रम देशभर के 74 कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक मंच पर लाकर संरक्षित खेती के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श और रणनीति निर्माण का अवसर प्रदान करेगा।

कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने शनिवार को यहां बताया कि इस संगोष्ठी का उद्घाटन राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े करेंगे। उद्घाटन सत्र में बागड़े संरक्षित खेती की चुनौतियों और समाधान पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के ऊतक संवर्धन उत्कृष्टता केंद्र की आधारशिला भी रखेंगे। यह केंद्र रोगमुक्त और उन्नत पौध सामग्री का उत्पादन करके राजस्थान की कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगा।

इसके अलावा बागडे दुर्गापुरा परिसर में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अनुसंधान और फील्ड ट्रायल्स का अवलोकन करेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में संरक्षित खेती की वर्तमान स्थिति और उससे जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा होगी। किसानों की आय बढ़ाने और उत्पादकता में सुधार के लिए नवीन उपायों पर मंथन एवं संरक्षित खेती के सफल मॉडल के रूप में बसेड़ी और बस्सी झाझड़ा गांवों का दौरा भी होगा। उन्होंने बताया कि देशभर के कुलपति संरक्षित खेती, नवाचार और किसानों की आय वृद्धि के उपायों पर चर्चा करेंगे एवं अपने अनुभव साझा करेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के प्रख्यात वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी अपने मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

डा बलराज सिंह ने कहा कि यह संगोष्ठी संरक्षित खेती के जरिए किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को उन्नत तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है और ऊतक संवर्धन केंद्र और संरक्षित खेती के मॉडल राजस्थान के किसानों के लिए नयी उम्मीद लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देश भर के कृषि विश्वविद्यालयो के कुलपति एक मंच पर अपने ज्ञान को साझा करेंगे। यह आयोजन राजस्थान सहित देशभर के कृषि समुदाय को प्रेरित करेगा। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में प्रस्तावित विचार और योजनाएं किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा।

राजस्थान में कई जगह बारिश व ओलावृष्टि, कड़ाके की सर्दी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते 24 घंटे में बारिश व ओलावृष्टि हुई। इसके अलावा राज्य के अनेक इलाकों में शनिवार को भी कोहरा छाया रहा और कड़ाके की सर्दी जारी है। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सुबह तक के 24 घंटे में पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में कई स्थान पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश झालावाड़ जिले में 86.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा कोटा के सांगोद, बूंदी के नैनवा और बारां जिले के शाहाबाद में 40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अन्य स्थानों पर 10 से 30 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। राज्य में कुछ स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा दर्ज किया गया। दौसा, हनुमानगढ़ और अलवर सहित कुछ जिलों में ओले गिरे। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस बारां के अंता में दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान फलोदी में 6.8 डिग्री, सिरोही में 9.1 डिग्री, जोधपुर में 9.2 डिग्री, बीकानेर में 9.4 डिग्री और जयपुर में 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रदेश का सर्वांगीण विकास और प्रदेशवासियों का कल्याण ही राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास और प्रदेशवासियों का कल्याण ही राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस ध्येय की पूर्ति में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विधायक की अहम भूमिका है इसलिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में विधायकों को समर्पण भाव के साथ जनहित के कार्यों के लिए तत्पर रहना चाहिए।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा संभाग के विधायकों के साथ पिछले बजट की घोषणाओं के क्रियान्वयन और आगामी बजट की तैयारियों से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक विधायक को उसके विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत आकांक्षाओं और उम्मीदों के साथ चुनकर भेजती है, ऐसे में जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता के भरोसे पर खरा उतरे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रत्येक विधायक से उनके विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले बजट में राज्य के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को ढेरों सौगातें दी हैं और यह आवश्यक है कि आगामी बजट से पूर्व पिछले बजट में की गई घोषणाओं का धरातल पर उतरना सुनिश्चित हो। शर्मा ने कहा कि विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विधायकों के साथ समन्वय बनाकर आधारभूत विकास के कार्यों में वित्तीय स्वीकृति से लेकर जमीन आवंटन, डीपीआर तैयार होने और निर्माण कार्य प्रारंभ होने तक प्रत्येक चरण पर समयबद्ध रूप से कार्यों की क्रियान्विति सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दूरगामी सोच के साथ पिछला बजट प्रस्तुत किया था, जिसकी हर तरफ सराहना हुई। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को भी राज्य की जनता के लिए सार्थक और समावेशी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची बनाकर भेजें।

थप्पड़ कांड के आरोपी नरेश की रिहाई को लेकर नगरफोर्ट में महापंचायत आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। टोंक जिले की देवली-उनियारा विधानसभा में उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की रिहाई को लेकर आज टोंक के नगर फोर्ट में महापंचातय होगी। नरेश मीणा के परिजन और समर्थक महापंचायत को सफल बनाने के लिए कई नेताओं से समर्थन मांग चुके हैं। इनमें आरएलपी के हनुमान बेनीवाल और बीएपी के राजकुमार रोत ने नरेश मीणा के समर्थन में बयान भी दिया था। हालांकि, इनमें से कोई भी नेता महापंचायत में आएगा, इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं है।

महापंचात की तैयारियों को लकर लबान गांव में बैठक बुलाई गई है। हाड़ौती के दिग्गज कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने इस बैठक को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि समरावता केस के पीड़ितों को जल्दी न्याय के साथ नुकसान का पर्याप्त मुआवजा मिलना चाहिए। लाखेरी क्षेत्र के लबान रेलवे स्टेशन के सामने हनुमान मंदिर में समरावता केस को लेकर सर्व समाज की बैठक हुई। इसमें केस के पीड़ितों को जल्दी न्याय और मुआवजे की मांग उठी। बैठक में प्रहलाद गुंजल ने कहा कि समरावता गांव के लोगों को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए। इस केस में जिन लोगों का नुकसान हुआ है उन्हें पर्याप्त मुआवजा समय पर मिले। इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। गुंजल ने कहा कि समरावता केस में निर्दोषों को शीघ्र रिहाई होनी चाहिए।

गैस टैंकर हादसे में मृतकों की संख्या 20 हुई

जयपुर। जयपुर के गैस टैंकर हादसे में गंभीर रूप से झुलसे एक और व्यक्ति ने शनिवार को दम तोड़ दिया, जिसके साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। हादसे में झुलसे सात लोगों का यहां एसएमएस अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से झुलसे एक और व्यक्ति की शनिवार को मौत हो गई। उन्होंने कहा, फिलहाल अस्पताल में सात लोगों का इलाज किया जा रहा है। जयपुर के भांकरोटा इलाके में 20 दिसंबर को तड़के जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर एक ट्रक ने एलपीजी से भरे टैंकर को टक्कर मार दी थी, जिसके बाद लगी भीषण आग की चपेट में 35 से अधिक वाहन आ गए थे। घटना वाले दिन 11 लोगों की मौत हुई थी और अब मृतकों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है।

वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता : वासुदेव देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेदों की शिक्षाओं को सरल भाषा में बताया जाना आज की जरूरत है। देवनानी का कहना था कि हम कितने भी आधुनिक बन जाएं, वेदों की शिक्षाओं की आवश्यकता हमारे जीवन में सदैव बनी रहेगी।

देवनानी ने कहा कि वेद प्राचीनतम ग्रंथ हैं लेकिन यह आज भी सामायिक है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरल भाषा में वेदों को समझाना आवश्यक है। देवनानी ने विद्वानों का आव्हान किया कि वे वेदों का सरलीकरण से विवेचन करें ताकि लोगों को वेदों की अनुभूति हो सके और वे समझ सके कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में है। देवनानी का मानना था कि जीवन जीने की शैली वेदों से समझी जा सकती है।

देवनानी शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित श्री अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा कि वेद अतीत नहीं वर्तमान है । आमजन को उनकी अनुभूति करने की आवश्यकता है। यह केवल आध्यात्मिक अनुष्ठान ही नहीं है बल्कि चेतना की गहरी परतो तक पहुंचने वाला अथाह ज्ञान है।

देवनानी ने कहा कि पारिस्थितिकी संतुलन को वेदों से समझा जा सकता है। वेद राष्ट्रीय जागरण को नई दिशा देते हैं। मानवता का सबसे बड़ा दर्शन भी वेदों में मिलता है। प्रकृति के प्रति सम्मान वेदों से समझा जा सकता है और भारत के नैतिक ढांचे को भी यह आकार प्रदान करते हैं।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक सुदेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। संगोष्ठी को डॉ अजीत सबनीस और डॉ आलोक पांडे ने भी संबोधित किया।

महाकुम्भ में पहली बार ड्रोन शो में होगा पौराणिक कथा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर/भाषा। प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कई नए और अनोखे अनुभव प्राप्त होंगे। उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग महाकुम्भ में पहली बार ड्रोन शो आयोजित करेगा जिसमें महाकुम्भ और प्रयागराज की पौराणिक कथा का प्रदर्शन होगा।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र में संगम नोज पर श्रद्धालुओं को शाम के समय आकाश में यह अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, पर्यटन विभाग मेला क्षेत्र में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, जल क्रीड़ा, हॉट एअर बैलून, लेजर लाइट शो जैसी गतिविधियां भी करवा रहा है।

सिंह ने बताया कि महाकुम्भ की शुरुआत और समापन के समय संगम नोज पर ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा और यह महाकुम्भ के यात्रियों व प्रयागराज वासियों के लिए एक नया और अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि लगभग 2,000 ड्रोन प्रयाग महात्म्य और महाकुम्भ की पौराणिक कथाओं का प्रदर्शन करेंगे जिसमें समुद्र मंथन और अमृत कलश निकलने के दृश्य का प्रदर्शन होगा जबकि प्रयाग के धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व को भी दर्शाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, जनवरी के पहले सप्ताह से काली घाट, यमुना की लहरों पर म्यूजिकल फाउंटेन लेजर शो भी शुरू होने जा रहा है जो प्रयागराज आने वाले पर्यटकों के लिए एक अनोखा अनुभव होगा।

मणिपुर में सात एकड़ अवैध अफीम की फसल नष्ट की गई

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षा बलों और वन विभाग के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने सात एकड़ में लगी अफीम की अवैध फसल नष्ट कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया, मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, वन विभाग और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले के टी लंघोइमोल इलाके में सात एकड़ में लगी अफीम की अवैध फसल नष्ट कर दी। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और खेती करने वालों की पहचान करके उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बिहार लोकतंत्र की जननी है, कोई नीतीश कुमार इसे लाठीतंत्र नहीं बना सकते : प्रशांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/एजेन्सी। जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने प्रदेश की सरकार पर हमला बोला और कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है, कोई नीतीश कुमार इसे लाठीतंत्र नहीं बना सकता है।

किशोर शनिवार को एक बार फिर बिहार लोकसेवा आएग (बीपीएससी)छात्रों के बीच धरना स्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर बातचीत की, उनका पक्ष सुना। मौके पर किशोर ने कहा कि यह मामला बिहार के बच्चों के भविष्य का है, बिहार में कोई भी परीक्षा नहीं है, जो बिना किसी अनियमितता, भ्रष्टाचार, पेपर लीक के हो जाए। उन्होंने कहा कि कल गांधी मैदान में (गांधी मूर्ति के नीचे) हम सभी लोग साथ में बैठकर एक साथ छात्र संसद में आगे की योजना को तय करेंगे, ये तय किया जाएगा कि कैसे बिहार के बच्चों के भविष्य को इस तरह की सरकार ओर पुलिस की मनमानी से बचाया जा सके। जो भी निर्णय लिया जाएगा उस पर हम सभी लोग पूरी ईमानदारी से छात्रों के साथ खड़े रहेंगे।

किशोर ने कहा, यह आंदोलन छात्रों का है। इसका नेतृत्व भी छात्रों का ही रहेगा, इस आंदोलन में हमारी भूमिका सिर्फ इतनी है कि हम छात्रों के साथ अपनी पूरी ताकत से खड़े रहेंगे। यदि पुलिस प्रशासन छात्रों को किसी प्रकार से डराने एवं धमकाने का कोई प्रयास करेगा तो हम जन सुराज की ओर से और बिहार के नागरिक होने के नाते अपनी पूरी ताकत से छात्रों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने नीतीश सरकार को चेताया और कहा कि यह लोकतंत्र है और बिहार लोकतंत्र की जननी है, कोई नेता, कोई नीतीश कुमार इसको लाठीतंत्र नहीं बना सकता है। और यदि कोई नेता बनाएगा तो बिहार के युवा, छात्र, बुद्धिजीवी अपनी पूरी ताकत से अपने बच्चों और युवाओं के भविष्य के लिए खड़े होंगे।

ओडिशा में तीन महिला माओवादी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मल्कानगिरी/भाषा। ओडिशा पुलिस ने शनिवार को मल्कानगिरी जिले में तीन महिला माओवादियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार की गईं महिला माओवादियों पर कुल आठ लाख रुपए का इनाम था।

अधिकारियों के मुताबिक, महिला माओवादियों की पहचान स्वप्ना उर्फ चंद्रमा खिलो, बबीता उर्फ कमला खिलो और सुनीता खिलो के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इन्हें (महिला माओवादियों को) चित्रकोंडा थानाक्षेत्र के गुम्मा इलाके से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के जोदाम्बो थानाक्षेत्र के धाकड़ापदर गांव की रहने वाले तीनों माओवादी प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) संगठन के आंध्र ओडिशा बॉर्डर स्पेशल जोनल कमेटी (एओबीएसजेडसी) की हिस्सा थीं। दक्षिण पश्चिमी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक नीति शेखर और मलकानगिरी के पुलिस अधीक्षक बिबेकानंद शर्मा ने संयुक्त रूप से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तीनों महिलाएं सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के कई मामलों में शामिल थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि वे सुरक्षा बलों पर और हमले करने की योजना बना रही थीं। अधिकारियों के मुताबिक, चंद्रमा खिलो एक एरिया कमेटी सदस्य थी और वह 2018 में प्रतिबंधित संगठन में शामिल हुई थी। ओडिशा में उसके ऊपर चार लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि कमला खिलो और सुनीता खिलो 2021 में माओवादियों के संगठन में शामिल हुईं और एओबीएसजेडसी की 'उदय सुरक्षा टीम' की सदस्य थीं।

अधिकारियों के मुताबिक, ओडिशा में उनके ऊपर दो-दो लाख रुपए का इनाम था।

यात्रा के बाद तेजस्वी को जमीनी हकीकत का पता चला : मनोज

■ **लालू और राबड़ी देवी होश में कहां थे? वह तो मदहोश थे, सत्ता के अहंकार में। उसी मदहोशी में यादव का लालन-पालन हुआ है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/एजेन्सी। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऊपर दिए गए आपत्तिजनक बयान की निंदा करते हुए कहा कि वह यात्रा करके जब से लौटे हैं तब से उनको जमीनी हकीकत का पता चल गया है।

शर्मा ने शनिवार को कहा कि यादव अब अलबल(बेबुनियाद) बोल रहे हैं। बेतुका का बयान दे रहे हैं। उनके बयान निहायत हीं दोयम दर्जे और निम्न कैटेगरी के होते हैं। हालांकि यह दोष इनका नहीं है, इनको जो विरासत में संस्कार मिले हुए हैं, उसी का वह प्रदर्शन कर रहे हैं।शायद यादव को याद नहीं है लेकिन, दुनिया में एक कहावत है कि जब रोम जल रहा था तो नीरो बंशी बजा रहा था। वह कहावत उनके माता-पिता की सरकार में फिट बैठती थी, जब पूरा बिहार अपराध, मर्डर, डकैती, अपहरण जैसे वारदातों में जल रहा था तो, मियां-बीवी की सरकार चैन की बंसी बजा रही थे।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, लालू और राबड़ी देवी होश में कहां थे? वह तो मदहोश थे, सत्ता के अहंकार में। उसी मदहोशी में यादव का लालन-पालन हुआ है। उन्हें बिहार और बिहार वासियों से कहां मतलब था? वह तो अपने परिवार के लिए धन संग्रहित कर रहे थे। यादव अपनी टोपी दूसरे के सर पहना रहें हैं, उनके माता-पिता की सरकार में कैसे कुछ नेता और अधिकारी मिलकर सरकार चलाते थे।

शर्मा ने कहा, यह जग जाहिर है। कैसे लालू निरंकुश होकर अधिकारियों को फटकारते थे, यह जग जाहिर है। यादव शायद भूल रहे हैं उनके माता-पिता की सरकार में जो स्वाभिमानी अधिकारी और ईमानदार अधिकारी थे, उन्होंने अपना तबादला करवा लिया था। वह बिहार में आना नहीं चाहते थे। बिहार कैडर के रहते हुए भी उन्होंने अपनी पूरी नौकरी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर की थी।

नीतीश को उनके करीबी सहयोगियों ने 'बंधक' बनाया : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं और मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें ''बंधक' बनाकर रखा है।

जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अचानक वापसी से पहले तक कुमार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे तेजस्वी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे 70-वर्षीय नेता द्वारा एक और पलटवार की अटकलों के बारे में पूछा गया था।

उन्होंने कहा, इन सभी अफवाहों में कोई दम नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दावा किया, कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के चार नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से दो दिल्ली में और शेष यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं।

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक राजद के नेता ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखे गए एक पत्र के जवाब का हवाला दिया।

केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में पत्र में कुमार से भाजपा का समर्थन करने पर 'पुनर्विचार' करने का आग्रह किया था।

यादव ने कहा, पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं?''

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी पत्र में शाह का बचाव किया और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल की आलोचना की।

मणिपुर में हथियारबंद लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में बंद से इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। इंफाल घाटी के पांच जिलों में बुलाए गए बंद के कारण शनिवार को सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। थौबल में 14 दिसंबर को पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक व्यक्ति की मौत और छह हथियारबंद लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में इस बंद का आह्वान किया गया था। दुकानें और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, वहीं वाहन भी सड़कों से दूर रहे।

संयुक्त कार्रवाई समिति द्वारा बुलाए गए बंद के समर्थकों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया और इंफाल पश्चिम के लाम्फेल सनाकेथेल में टायर जलाए।

बिष्णुपुर जिले में बंद समर्थकों ने कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की। 24 घंटे का यह बंद शुक्रवार शाम छह बजे शुरू हुआ था। मणिपुर अखंडता समन्वय समिति (सीओसीओएमआई) की छात्र और महिला शाखा ने बंद का समर्थन दिया। सीओसीओएमआई कई मैतेई नागरिक संस्थाओं का समूह है।

पुलिस ने बताया कि थौबल के सालुंगफाम में मुठभेड़ में मारा गया व्यक्ति और गिरफ्तार किए गए छह लोग प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके के सदस्य हैं। यह संगठन जबरन वसूली में कथित तौर पर शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से, पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हथियारों सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए। हालांकि, बंद समर्थकों ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोग 'ग्राम स्वयंसेवक' हैं, जो सशस्त्र कुकी लोगों से अपने गांवों की सुरक्षा कर रहे थे।

अमेठी में बहन से छेड़खानी का विरोध करने पर भाई पर हमला, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। अमेठी जिले के जगदीशपुर थाना इलाके में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली बहन से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक युवक पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

परिवार के लोगों ने प्रभारी निरीक्षक और एक सिपाही पर इस मामले में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए है। हालांकि पुलिस ने आरोपों का खंडन किया है।

पीड़िता ने बताया कि वह स्कूल जाती है तो कुछ लड़के उसके साथ अभद्र व्यवहार,व छेड़खानी करते हैं, जिसके बारे में परिजन को बताने पर परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी मिलने लगी।

लड़की ने कहा कि इसकी शिकायत थाना जगदीशपुर में की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई और पुलिसकर्मी छेड़खानी का सबूत मांग रहे थे।

छात्रा का आरोप है उन्हीं लोगों ने आज उसके भाई रंजीत (26) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। मुसाफिरखाना क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अतुल कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि घायल रंजीत को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है।

सीओ ने कहा कि तहरीर मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जगदीशपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र यादव से जब यह पूछा गया कि उनके ऊपर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं तो उन्होंने कहा कि उपरोक्त लोगों द्वारा शिकायत पत्र दिया गया था और मामले की जांच कराई गई लेकिन आरोप असत्य पाए गए थे।

नीतिश रेड्डी इस पारी को हमेशा याद रखेंगे: वाशिंगटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। वाशिंगटन सुंदर ने नीतिश रेड्डी की शतकीय पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उन्हें मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति के तौर पर जानते हैं जिनके जीवन का फलसफा अपना 120 प्रतिशत देना है, फिर चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर।

वाशिंगटन ने रेड्डी के शतक की तारीफ करते हुए कहा, एक अविश्वसनीय शतक। मेरा मतलब है कि इस शतक के बारे में बहुत लंबे समय तक बात की जाएगी और इसे याद रखा जाएगा। 'बॉक्सिंग डे' शतक, मुझे लगता है कि वह इसे हमेशा याद रखेंगे।

रेड्डी के नाबाद 105 रन और वाशिंगटन (50) के साथ आठवें विकेट के लिए उनकी 127 रन की साझेदारी से भारत एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के तीसरे दिन नौ विकेट पर 358 रन के स्कोर पर पहुंच गया।

वाशिंगटन ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, एक बात तो पक्की है। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत है। मेरा मतलब है कि मैं उसे काफी वर्षों से जानता हूं। आज जिस तरह से उसने पारी खेली है, वह अद्भुत था। उन्होंने कहा,

उसने सुनिश्चित किया कि वह खेल में उस चरण को चुनें जहां उसे लगता था कि वह कुछ बाउंड्री लगा सकता है। वह इस बात से अवगत था कि स्थिति हमारे लिए कब थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

वाशिंगटन ने सनराइजर्स हैदराबाद में रेड्डी को खेलते हुए देखा है और उनकी कार्यनीति से काफी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, नीतिश के बारे में एक बात यह है कि चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर, वह अपना 120 प्रतिशत देते हैं। यह जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण है, ऐसा नहीं है कि यह केवल क्रिकेट के प्रति है। मैंने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान देखा है और साथ ही उनकी काम करने का तरीका भी काफी करीब से देखा है।

नितीश के रुप में भारतीय क्रिकेट के आसमान चमका एक नया सितारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय क्रिकेट को शनिवार को एक नया सितारा मिल गया जब हैदराबाद 21 वर्षीय बल्लेबाज नितीश रेड्डी ने शनिवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शानदार शतक के साथ अपना नाम क्रिकेट के इतिहास में दर्ज करा लिया।

नितीश की आज की पारी कई मायनों में वर्षों तक याद रखी जाएगी। वह उस समय क्रीज पर आए जब भारतीय टीम फालोआन के संकट से घिरी हुई थी और ऑस्ट्रेलिया के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के समक्ष उसके शीर्ष बल्लेबाज आत्मसमर्पण कर पवेलियन लौट चुके थे। नितीश ने उन नाजुक पलों का साहस के साथ सामना किया और नाबाद 105 रन की पारी से भारतीय क्रिकेट की अडिग भावना का प्रदर्शन किया।

सात विकेट पर 221 रन पर क्रीज पर उतरते हुए रेड्डी की पारी धैर्य और लालित्य में एक मास्टरक्लास थी। यह युवा खिलाड़ी 114वें ओवर में स्कॉट बोलैंड को मिड-ऑन पर चौका लगाकर शानदार अंदाज में अपने मील के पत्थर तक पहुंचा। गेंद के बाउंड्री

लाइन के पार पहुंचते ही दर्शक दीर्घा में मौजूद नितीश के पिता ने भावुक अंदाज में हाथ जोड़ कर ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का इजहार किया।

शतक पूरा होते ही रेड्डी ने पिच पर घुटने टेके, बल्ला ज़मीन पर रखा और हेलमेट ऊपर उठा कर अपनी इस उपलब्धि का विनम्र भाव से जश्न मनाया। इसके साथ ही 21 साल और 214 दिन की उम्र में रेड्डी ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला टेस्ट शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए।

इससे पहले सचिन तेंदुलकर ने 1992 में सिडनी में और ऋषभ पंत 2019 में सिडनी में यह कारनामा कर चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर (50) के साथ रेड्डी की साझेदारी ने आठवें विकेट के लिए 149 महत्वपूर्ण रन जोड़े, जो एमसीजी में भारत के लिए एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्टैंड था। इस पारी में रेड्डी ने एडिलेड (2008) में अनिल कुंबले के 87 रन को पीछे छोड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया में नंबर आठ या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर का दावा किया।

यह उपलब्धि भारत के नंबर आठ और नंबर नौ द्वारा ऑस्ट्रेलिया में एक ही पारी में 50 से अधिक स्कोर करने का केवल दूसरा उदाहरण है। इससे पहले 2008 में एडिलेड में कुंबले और हरभजन सिंह यह करने में सफल हुए थे।

पंत ने बेवकूफाना शॉट खेलकर टीम को निराश किया : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 'बेवकूफाना शॉट' खेलने के लिए ऋषभ पंत को आड़े हाथों लिया लेकिन युवा नीतिश कुमार रेड्डी की तारीफ करते हुए बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन उनकी पारी को महानतम टेस्ट पारियों में से एक बताया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय टीम को उस समय साझेदारी की सख्त जरूरत

थी लेकिन पंत ने स्कॉट बोलैंड को फाइन लेग पर स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में डीप थर्डमैन में नाथन लियोन को कैच थमा दिया।

गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा, बेवकूफाना, निहायत ही बेवकूफाना। वहां दो फील्डर खड़े हैं लेकिन उसके बावजूद यह शॉट खेला। पिछले शॉट पर चूकने के बावजूद और डीप थर्ड मैन पर कैच दे दिया। यह तो अपना विकेट गंवाना है। उन्होंने कहा, ''और वह भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उन्होंने कहा, उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए।

सुविचार

तुम ईश्वर की चाहे जैसे प्रार्थना करो, वो उन तक पहुँचती है। ध्यान रखो वो चींटी के कदमों की आहट भी सुन सकते हैं।

ट्वीट

जनप्रिय राजनेता, कुशल रणनीतिकार व प्रखर वक्ता, पूर्व केंद्रीय मंत्री, 'पद्म विभूषण' स्व. अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन। प्रगतिशील व श्रेष्ठ नीति-निर्धारक के रूप में आपका व्यक्तित्व सकारात्मक राजनीति के लिए दीर्घकाल तक प्रेरित करता रहेगा।

-वसुंधरा राजे

राजस्थान कैबिनेट बैठक में नवगठित जिलों में से 9 जिले और 3 संभाग खत्म करने के निर्णय पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, प्रदेश सरकार ने ये निर्णय लेने में 1 साल का समय लगा दिया।

-अशोक गहलोत

कहानी

नरक का मार्ग

मुंशी प्रेमचंद

'भक्तमाल' पढ़ते हुए न जाने कब नींद आ गई पता ही नहीं चला। भागवत प्रेम में ही कई महात्मा हर दम मग्न रहते थे। इस तरह की लग्न और भक्ति बड़े ही तप से प्राप्त होती है। क्या मुझसे वैसा तप नहीं हो पाएगा? जीवन में भक्ति से बड़ा क्या कोई सुख है? आभूषणों और धन-दौलत से जो प्रेम हो वो क्या प्रेम? इनका तो नाम सुनते ही मुझे बुखार सा हो जाता है। सुशीला ने इन आभूषणों और फूलों से मुझे कितना सजाया था। उसे मैंने मना भी किया था ये सब करने से, लेकिन वो मानी ही नहीं। इस शृंगार के दौरान जितना हम लोग हंसे थे बाद में मुझे उतना ही रोना पड़ा।

आखिर किसी का पती ऐसा होता है, जो अपनी पत्नी को सजा हुआ देखकर नाराज हो जाए। मेरे पति ने तो मुझे सजा-धजा देखकर गुस्सा किया और कहा कि तुम मेरा परलोक बिगाड़ दोगी। क्या किसी के पति ऐसे होते हैं, जो अपनी पत्नी की खूबसूरती और शृंगार देखकर गुस्सा करने लगें? उनके बातें सुनकर मन में तो होता है कि जहर ही खा लूं, लेकिन फिर मैंने नीचे जाकर 'भक्तमाल' पढ़ना शुरू कर दिया। फिर मन ही मन ठान लिया कि अपने इस शृंगार को सिर्फ बांके बिहारी को ही दिखाऊंगी और उनकी ही दिन रात सेवा करूंगा। कम-से-कम वो तो मेरे शृंगार से पति की तरह नहीं जलेंगे।

भगवान मैंने हमेशा से ही अपने पति को अपना इष्ट मानना चाहा। सोचा कि उन्हें किसी तरह का दुख न दूं और हरदम उनकी ही सेवा करूं। अब क्या करूं सारा दोष मेरे नसीब का ही है। वो तो निर्दोष हैं। मेरे भाग्य में जैसा लिखा है मैं वो सब भोग रही हूं। इतना सब पता होने के बाद भी जब भी उन्हें देखती हूं, तो मन में दुख होता है। जब वो कुछ दिनों के लिए बाहर चले जाते हैं, तो मन का बोझ कुछ कम हो जाता है। उनके न होने से हंसने-खेलने और जीवन को जीने लगती हूं। फिर जब कुछ दिनों बाद वो लौट आते हैं, तो उसी तरह का सन्नाटा और दुख छा जाता है।

मेरे मन में होता है कि वो मेरे पिछले जन्म के दुश्मन रहे होंगे और उस दुश्मनी का बदला लेने के लिए उन्होंने मुझसे विवाह किया होगा। तभी न मेरा मन उन्हें देखते ही उदास हो जाता है और उनकी सूरत मुझे बिल्कुल नहीं भाती। शायद इसी वजह से वो मुझे देखकर जलते रहते हैं। विवाह न किया होता, तो शायद आज सुखी होती। किन्तु दुनिया का दस्तूर है कि बेटी को किसी-किसी न पुरुष के साथ जन्मों के लिए बांध दिया जाता है।

यह क्या जानें कि एक युवती अपने पति को लेकर कितने सपने संजोकर रखती है। उसके लिए उसका पति कितना खास होता है, लेकिन यहां सब उल्टा है। इन्हें देखते ही मेरे सीने में जलन सी होने लगती है। कभी इन्हें देखकर आंखों को वो शीतलता नहीं मिली, जो पति को देखकर एक युवती को मिलनी चाहिए। उधर, सुशीला को देखती हूं, तो दुख और बढ़ जाता है। वो हमेशा हंसती-मुस्कुराती है। कभी अपनी गरीबी का रोना नहीं रोती। न उसके पास कपड़े अच्छे हैं और न ही गहने। मकान भी छोटा सा है। मन में होता है कि काश! मैं अपना धन देकर उसकी परेशानियां ले लेती। फिर होता है कि उसका पति ही उसका सबसे बड़ा धन है। उसी से सुशीला को पूरी दुनिया का सुख मिल जाता होगा।

सालों से इस सवाल को मन में दफन करने के बाद होते-होते एक दिन मुझसे रहा न गया। आखिर मैंने अपने पति से यह सवाल कर ही लिया कि आपने मुझसे शादी क्यों की थी? इस सवाल को सुनते ही मेरे पति ने मुंह बना लिया। वो चिढ़ते हुए बोले, अपना घर-परिवार संभालने के लिए और क्या? भोग के लिए नहीं? इतना सुनते ही मैंने पूछा, क्या मैं सिर्फ इस घर का ख्याल रखने के लिए हूं? उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। फिर मेरे मन में हुआ कि पहले इस घर का सारा सामान जहां-तहां पड़ा रहता था। नौकर सब पूरा पैसा बर्बाद करते थे। अब मैं आ गई हूं तो इन सबका ख्याल रखना ही मेरा धर्म है और मुझे यह सोचकर खुश होना चाहिए कि इतनी संपत्ति मेरे पास है।

पहले मैं पूरे घर का ख्याल इनके बिना कहे रखती थी, लेकिन अब कुछ नहीं करूंगी। ऐसे घर की किसी भी वस्तु को मैं आगे से हाथ नहीं लगाऊंगी। लेकिन, कोई पुरुष विवाह सिर्फ घर संभालने के लिए थोड़ी करता है। उन्होंने जरूर ये जवाब मुझे गुस्से में चिढ़कर दिया है। वैसे सुशीला ठीक ही कहती थी कि एक घर महिला के बिना अधूरा होता है। ठीक उसी तरह से जैसे एक पिंजरा बिना किसी चिड़िया के खाली लगता है।

मैं समझ नहीं पाती हूं कि आखिर इन्हें मुझपर इतना संदेह क्यों होता है। मैं किसी से बात तक नहीं करती और न ही कहीं बाहर आती-जाती हूं। ऐसे में शक करने की कोई वजह भी नहीं है। क्या इन्हें समझ नहीं आता कि मैं घर की इज्ज़त और मान-मर्यादा के बारे में सब कुछ समझती हूं। किसी भी तरह की गलत हरकत करने की तो दूर मैं उसके बारे में सोच भी नहीं सकती हूं। कभी-कभी मुझे लगता है कि आधे से ज्यादा उम्र निकल जाने पर विवाह करने वाले बुजुर्ग लोगों का यही हाल होता होगा। बेवजह ही अपनी पत्नी पर शक करते होंगे।

सुशीला के बहुत बार कहने पर आज मैं उसके साथ ठाकुर जी की झांकी के दर्शन करने के लिए जाने वाली थी। मैं अपने बाल संवार ही रही थी कि तभी मेरे पति कहीं से आ गए। उन्होंने मुझे देखते ही पूछा, किधर जाने की तैयारी हो रही है? मैंने जवाब में कहा कि ठाकुर जी की झांकी आज निकल रही है उसी को देखने के लिए सुशीला के साथ जाना है। इतना सुनते ही वो गुस्से में बोले कि तुम्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं है। अपने पति की जिससे सेवा नहीं हो सकती है, उसे भगवान के दर्शन से भी कोई लाभ नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं महिलाओं को अच्छे से।

उनकी यह बात सुनते ही मुझे बहुत बुरा लगा। गुस्से में मैंने कपड़े बदल लिए और चुपचाप बैठ गई। मन में हुआ कि उसी वक्त घर छोड़कर चली जाऊं। फिर देखती हूं कि कैसे रोकते हैं, लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि जा नहीं पाई। इनके मन में हमेशा ये होता है कि मुझे हरदम खुश रहना चाहिए, क्योंकि मैं इतने बड़े घर और दौलत की मालकिन हूं। मुझे हरदम इनका गुणगान करना चाहिए, लेकिन यह समझते नहीं हैं कि धन-दौलत ही सबकुछ नहीं होता है।

अब ये तीन दिन से बीमार हैं। उन्हें निमोनिया हो गया है और कितने दिनों से यह करहा रहे हैं, लेकिन मैं इन्हें एक बार भी देखने नहीं गई। सभी घर में मौजूद नौकर उनका ख्याल रख रहे थे, लेकिन मेरे दिल में किसी तरह की करुणा इनके लिए नहीं आई। मेरा मन इतना कठोर नहीं था, लेकिन जिस तरह से इन्होंने मुझे इस घर में कैदी की तरह रखा, हरदम शक किया और एक पल भी सुख नहीं दिया, उसके बाद इनके लिए दया मन में नहीं आती है।

मन में होता है कि मुझे दिए गए दुखों का भगवान ने इन्हें दण्ड दिया है। अगर कोई समझे कि महिला को यूं ही किसी पुरुष के गले बांध दें और उसे किसी भी तरीके से रखें सो पूरी तरह गलत है। सुना है कि वो अपनी बीमारी का दोष मुझे ही दे रहे हैं, लेकिन मुझे परवाह नहीं है। ये चाहें, तो किसी को भी अपना धन-दौलत दे सकते हैं। इसकी मुझे बिल्कुल जरूरत नहीं और न ही लोभ है। होते-होते एक दिन वो गुजर गए। आज उनको गए तीन दिन हो चुके हैं। मैंने उनके जाने के बाद चूड़िया नहीं तोड़ीं। मैं सिंदूर तो पहले भी नहीं लगाती थी और अभी भी नहीं लगाती। मेरे बुजुर्ग पति के बेटे ने ही उनका अंतिम संस्कार किया।

घर के सभी लोग तरह-तरह के मुझे ताने देते हैं। मेरे बंधे हुए लंबे बाल देखकर सुनाते हैं, लेकिन मुझे जरा भी बुरा नहीं लगता है। ऊपर से मैं सभी को चिढ़ाने के लिए रंग-बिरंगी साड़ियां भी पहन लेती हूं। मेरे मन में होता है कि मैं इस कैद से रिहा हो गई हूं।

एक दिन मैं सुशीला के घर गई। उसके घर में किसी तरह की सुख-सुविधा नहीं थी। चारपाई तक वहां पर नहीं थी, लेकिन वो इतनी खुश थी कि उसे देखते ही मन में ऊर्जा का संचार हो जाता है। इन लोगों को गरीब और नीच कैसे समझें, जो हरदम मुस्कुराते रहते हैं और प्रेम भरी बातें करते हैं। भले ही यह आनंद पल भर का था, लेकिन इससे जीवन सफल सा लगता है।

फिर एक दिन मैंने सुशीला से पूछा कि अगर तुम्हारे पति किसी दिन परदेश नौकरी के लिए चले गए, तो क्या तुम उनकी याद में रो-रोकर अपनी जान दे दोगी। सुशीला जवाब में बोली, नहीं, जान तो नहीं दूंगी, लेकिन उनकी याद से हरदम मन आनंदित होता रहेगा। भले ही वो सालों परदेश में रह लें, लेकिन उनकी याद हमेशा ही मुझे खुशी देती रहेगी।

मैंने भी कहा कि सुशीला मुझे भी ऐसी ही खुशी चाहिए, जिसके आनंद में हमेशा मैं झूमती और गाती रहूं। ऐसा आनंद जो कभी कम ही न हो। मन आजकल काफी परेशान और चंचल था। होता था कि कहीं एकदम उड़ जाऊं। भक्ति के ग्रंथों को पढ़ने का भी मन न था और न ही बाहर कहीं सैर करने का। ऐसा लगता था कि मन को पता ही नहीं उसे क्या चाहिए, लेकिन मेरे दिल में अपने पुराने दुख ही चल रहे थे। अब मुझे किसी की भी निंदा से फर्क नहीं पड़ता था। दिमाग में यह बात भी उठ रही थी कि मेरे माता-पिता ने पैसों के लोभ में बूढ़े से विवाह करवा दिया और उसने भी सिर्फ अपनी जिद पूरी करने के लिए मेरी मांग में सिंदूर डाला, लेकिन जिंदगी भर शक ही करता रहा।

एक दिन घर के सभी लोग सो रहे थे। कमरे में मेरा दम घुट रहा था, इसलिए मैं दौड़कर उस घर से बाहर की ओर भाग गई। तभी मुझे एक बुढ़िया दिखी। मेरे मन में हुआ कि कहीं वो कोई चुड़ैल न हो। तभी बुढ़िया ने कहा कि किसका रास्ता देख रही हो?

मैंने जवाब में कहा, मरने की राह देख रही हूं। बुढ़िया बोली अभी तुम्हारे नसीब में मौत नहीं है। तुम्हें कई सारे सुख भोगने हैं। मैंने भी चिढ़ते हुए उस बुढ़िया से पूछा कि इतनी रात में तुम किस्मत की लकीरें पढ़ लेती हो?

आंखों से थोड़ी पढ़ती हूं। अक्ल से पढ़ लेती हूं। ये काम करते हुए ही सारी उम्र बीती है। तुम्हारे अब अच्छे दिन आ रहे हैं। मैं बस यही चाहती हूं, जिसकी जो मनोकामना हो वो उसे मिल जाए, जवाब देते हुए बुढ़िया ने कहा।

मैंने कहा कि मुझे कोई धन-दौलत नहीं चाहिए और जो मैं चाहती हूं, वह तुम नहीं दे सकती हो। तब बुढ़िया ने कहा, मैं जानती हूं तुम्हें जीवन में सिर्फ प्रेम चाहिए और मैं यह तुम्हें दिला सकती हूं। मैं तुम्हें प्यार की नाव में बैठा सकती हूं उस अम्मा की बातें सुनकर मुझे लगा जैसे कि वो स्वर्ग से मेरी मदद करने के लिए आई हो। मैंने पूछा, अम्मा तुम्हारा घर कहां है? उसने कहा कि पास में ही है बेटा। मैं उस अम्मा के पीछे-पीछे चलने लगी।

बुढ़िया के पीछे चलते-चलते मुझे पता लगा कि वो किसी स्वर्ग से आई मेरी मददगार नहीं, बल्कि एक डायन ही है। कहां मैं अमृत की तलाश में थी और जहर मिल गया। मैं तो सुशीला जैसा सुख पाना चाह रही थी, लेकिन कहां डायन की चपेट में आ गई। मेरी इस हालत के जिम्मेदार लोभी माता-पिता और मुझे अपनी पत्नी बनाने के ख्वाब देख रहा वो वृद्ध है, जिसने मुझे अपनी जिद के लिए पत्नी बनाया।

मैं अपनी ये आत्मकथा कभी न लिखती, लेकिन मैं चाहती हूं कि सभी माता-पिता ये समझ लें कि पैसा जीवन में सबसे बड़ा नहीं होता है। मेरी चाहत है कि सब लोगों को मेरी आत्मकथा से मालूम हो कि लड़कियों का विवाह यूं ही किसी से नहीं कर देना चाहिए। किसी भी लड़की का गला इस तरह से वृद्ध से विवाह करके न घोंट दो। अब मेरे जीवन में कुछ भी नहीं बचा। सब कुछ सिर्फ मां-बाप के एक फैसले से खत्म हो गया।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

एकोऽहम् बहुस्याम्

शहर में ट्रैफिक सिग्नल पर बल्ब के हरा होने की प्रतीक्षा में हूँ। लाल से हरा होने, ठहराव से चलायमान स्थिति में आने के लिए संकेतक 28 सेकंड शेष दिखा रहा है। देखता हूँ कि बाईं ओर सड़क से लगभग सटकर पान की एक गुमटी है। दोपहर के भोजन के बाद किसी कार्यालय के चार-पाँच कर्मी पान, सौंफ आदि खाने के लिए निकले हैं। एक ने सिगरेट खरीदी, सुलगाई, एक कश भरा और समूह में सम्मिलित एक अपने एक मित्र से कहा, 'ले।' सम्बंधित व्यक्ति ने सिगरेट हाथ में ली, क्षण भर ठिठका और मित्र को सिगरेट लौटाते हुए कहा, नहीं, आज सुबह मैंने अपनी छकुली (नन्ही बिटिया) से प्रॉमिस की है कि आज के बाद कभी सिगरेट नहीं पीऊँगा। मैं उस व्यक्ति का चेहरा देखता रह गया जो संकल्प की आभा से दीप्त हो रहा था। बल्ब हरा हो चुका था, ठहरी हुई ऊर्जा चल पड़ी थी, ठहराव, गतिमान हो चुका था।

वस्तुत: संकल्प की शक्ति अद्वितीय है। मनुष्य इच्छाएँ तो करता है पर उनकी पूर्ति का संकल्प नहीं करता। इच्छा मिट्टी पर उकेरी लकीर है जबकि संकल्प पत्थर पर खींची रेखा है। संकल्प, जीवन के आयाम और दृष्टि बदल देता है। अपनी एक कविता स्मरण हो आती है,

कह दो उनसे,
संभाल लें
मोर्चे अपने-अपने,
जो खड़े हैं
ताक़त से मेरे ख़िलाफ़,
कह दो उनसे,
बिछा लें बिसातें
अपनी-अपनी,
जो खड़े हैं
दौलत से मेरे ख़िलाफ़,
हाथ में
क़लम उठा ली है मैंने
और निकल पड़ा हूँ
अश्वमेध के लिए...!

संकल्प अपनी साक्षी में अपने आप को दिया गया वचन है। संकल्प से बहुत सारी निर्बलताएँ तजी जा सकती हैं। संकल्प से उत्थान की गाथाएँ रची जा सकती हैं।

संकल्प की सिद्धि के लिए क्रियान्वयन चाहिए। क्रियान्वयन के लिए कर्मठता चाहिए। संकल्प और तत्सम्बंधी क्रियान्वयन के अभाव में तो सृष्टि का आविष्कार भी संभव न था। साक्षात विधाता को भी संकल्प लेना पड़ा था, 'एकोऽहम बहुस्याम' अर्थात मैं एक से अनेक हो जाऊँ। एक में अनेक का बल फूँक देता है संकल्प।

संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए स्वामी विवेकानंद का मंत्र था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात उठो, जागो, और ध्येय की प्राप्ति तक मत रुको।

संकल्प मनोबल का शस्त्र है, संकल्प, असंभव से 'अ' हटाने का अस्त्र है। उद्देश्यपूर्ण जीवन की जन्मघुट्टी है संकल्प, मनुष्य से देवता हो सकने की बूटी है संकल्प।..इति।

बोध कथा

रोटी क्या है?

एक बार मुल्ला नसरुद्दीन पर मुकदमा चला कि वह राज्य के लिए खतरा बन सकते हैं। उन पर आरोप था कि वह राज्य में घूम-घूमकर धर्मगुरुओं, प्रशासनिक अधिकारियों, नेताओं और दार्शनिकों के बारे में अफवाह फैला रहे हैं कि इनमें ज्ञान की कमी है और ये सभी अज्ञानी हैं। मुकदमे की कार्रवाई के लिए मुल्ला नसरुद्दीन को दरबार में बुलाया गया।

जब दरबार में मुल्ला नसरुद्दीन पहुंचा, तो राजा ने उनसे कहा, तुम अपनी बात दरबार में मौजूद सभी के सामने रखो। मुल्ला ने राजा से कहा, आप कुछ कागज और कलम मंगवा लीजिए। राजा ने कागज और कलम मंगवा लिए। मुल्ला ने राजा से कहा, यहां बैठे बुद्धिमान व्यक्तियों में से सात को ये कागज दे दें। राजा ने वैसा ही किया। फिर मुल्ला ने उनसे एक सवाल पूछा और उत्तर कागज पर लिखने को कहा। सातों के लिए मुल्ला का सवाल था कि रोटी क्या है?

थोड़ी देर में सभी ने अपना जवाब कागज पर लिख दिया। फिर एक-एक कर सभी ने अपना जवाब राजा और दरबार में उपस्थित सभी के सामने पढ़कर सुनाया।

पहले व्यक्ति ने अपने उत्तर में लिखा रोटी एक तरह का खाना है।

दूसरे व्यक्ति ने लिखा रोटी, आटे और पानी का मिश्रण है।

तीसरे ने जवाब में लिखा यह भगवान का वरदान है।

चौथे ने अपने उत्तर में लिखा रोटी पका हुआ आटे का लौंदा है।

पांचवे ने जवाब में लिखा इसका जवाब इस बात पर निर्भर करता है कि रोटी से आपका अभिप्राय क्या है।

छठवें ने जवाब में लिखा रोटी पौष्टिक तत्व से समृद्ध आहार है।

आखिर में सातवें ने लिखा रोटी के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। सभी के जवाब के बाद मुल्ला ने दरबार में कहा, अगर रोटी को लेकर इतने ज्ञानी और गुणी लोगों का मत एक समान नहीं है, तो ये किसी विषय पर निर्णय देने के लिए एकमत कैसे हो सकते हैं? ये सभी लोग मिलकर यह निर्णय कैसे ले सकते हैं कि मैं लोगों को गलत बातें बता रहा हूं। फिर मुल्ला ने राजा से कहा, क्या आप महत्वपूर्ण विषयों पर परामर्श और निर्णय देने का अधिकार ऐसे लोगों को दे सकते हैं, जो रोज रोटी खाते हैं, लेकिन इसे लेकर एकमत नहीं हैं। मुल्ला नसरुद्दीन ने आगे कहा, जो लोग किसी विषय पर एकमत नहीं हो सकते हैं, वो कैसे कह सकते हैं कि मैं लोगों को भ्रष्ट करता हूं।

कहानी से सीख

इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किस विषय पर अपना मत रखने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना जरूरी है।

वीर गाथा

ले. कर्नल रामकृष्णान विश्वनाथन: 'जाएंगे तो सिर्फ तिरंगे में लिपटकर, बस भारत की विजय हो'

लेफ्टिनेंट कर्नल रामकृष्णन विश्वनाथन का जन्म 12 जनवरी, 1960 को केरल के कोच्चि में हुआ था। वी रामकृष्ण अय्यर और कमला देवी के वीर पुत्र विश्वनाथन ने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। वे 18 ग्रेनेडियर्स के सेकंड-इन-कमांड थे, जो द्रास सेक्टर में तोलोलिंग पहाड़ी पर ऑपरेशन चला रही थी।

विश्वनाथन ने केंद्रीय विद्यालय से पढ़ाई की थी। उन्होंने साल 1980 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से अपना सैन्य प्रशिक्षण पूरा किया था। इसके बाद उन्हें जून 1981 में भारतीय सेना में कमीशन दिया गया था। वे श्रीलंका में शांति सेना और बाद में अंगोला में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भी शामिल हुए थे।

विश्वनाथन ने कारगिल युद्ध में जो पराक्रम दिखाया, उससे पाकिस्तानी घुसपैठिए उल्टे पांव भागने को मजबूर हो गए थे। उन पर भारी गोलाबारी हो रही थी। वहीं, भौगोलिक परिस्थितियां बहुत कठिन थीं। इसके बावजूद उन्होंने 15,000 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर दुर्गम रास्ता पार करते हुए उस इलाके तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की, जहां दुश्मन ने धोखे से कब्जा कर रखा था।

पाकिस्तानी फौज को भ्रम था कि इतनी ऊंचाई पर उसके जवानों को कोई नहीं खदेड़ सकता। विश्वनाथन और उनके साथी जवानों ने इस भ्रम को जल्द ही तोड़ दिया। अपने लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश करते हुए विश्वनाथन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें कई गोलियां लगी थीं।

वे जानते थे कि अब ज़िंदा लौटकर नहीं जा सकते। जाएंगे तो सिर्फ तिरंगे में लिपटकर, बस भारत की विजय हो।

विश्वनाथन अपने साथियों का हौसला बढ़ाते रहे और दुश्मन को ललकारते रहे। उनके शरीर से काफी खून बह रहा था, लेकिन उन्होंने पीछे हटने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने दुश्मन के घेरे को भेदते हुए उसके तीन ठिकानों को ध्वस्त किया। बेहद करीबी मुकाबले में चार पाकिस्तानी फौजियों को भी मार गिराया था।

इससे भारतीय जवानों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया और प्वाइंट 4590 पर कब्जा करने में बहुत मदद मिली। लेफ्टिनेंट कर्नल रामकृष्णन विश्वनाथन वीरगति को प्राप्त हो गए। उनके साहस और बलिदान को देशवासी कभी नहीं भूलेंगे। उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महिलाओं के लिए इंटरनेट को सुरक्षित बनाने के तरीके

लंदन/दक्षिण भारत। महिलाएं ऑनलाइन सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं, जबकि उनके लिए साइबर अपराधों और सोशल मीडिया पर उत्पीड़न का शिकार होने का जोखिम ज्यादा होता है। एक अध्ययन में हर पांच में से एक महिला ने माना कि उसे ऑनलाइन धोखाधड़ी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

ब्रिटेन का ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम भले ही महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ साइबर हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन समाधान सीधे नहीं हैं। महिलाओं के लिए रोकथाम, प्रशिक्षण और जागरूकता सभी आवश्यक हैं। वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय की मैगडेलिन एनजी के साथ किए गए सर्वेक्षण में मैंने पाया कि महिलाएं ऑनलाइन सुरक्षा सलाह और प्रौद्योगिकी को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेतीं। लोगों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने वाले सुरक्षा फीचर और गोपनीयता उपायों का इस्तेमाल करने तथा उनके बारे में जानकारी रखने के मामले में पुरुष महिलाओं से कहीं आगे हैं।

सर्वे में हमने 600 से अधिक वयस्कों (50 फीसदी महिलाएं और 50 फीसदी पुरुष) से उनके पसंदीदा ऑनलाइन गोपनीयता और सुरक्षा उपायों के बारे में पूछा। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में सूचित रहने को अपना पसंदीदा उपाय बताया, जिसमें आधिकारिक निकायों से औपचारिक प्रशिक्षण लेना, वेब पेज के जरिये जानकारी जुटाना, साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर को डाउनलोड करना और उनका इस्तेमाल करना तथा परिवार के सदस्यों एवं दोस्तों से मौखिक रूप से अनौपचारिक सलाह हासिल करना शामिल है।

हमारे सर्वे से पता चलता है कि पुरुषों और महिलाओं के ऑनलाइन सुरक्षा सलाह लेने के तरीके में बड़ा अंतर है। मिसाल के तौर पर, 76 फीसदी महिलाओं ने कहा कि वे परिवार के सदस्यों और दोस्तों से साइबर सुरक्षा के उपाय पूछने पर जोर देती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में यह संख्या 24 प्रतिशत थी। वहीं, ऑनलाइन स्रोतों से साइबर सुरक्षा एवं गोपनीयता के उपायों के बारे में जानकारी जुटाने की बात करें, तो ऐसा करने वाले पुरुषों की संख्या 70 फीसदी और महिलाओं की तादाद 38 प्रतिशत थी। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि परिवार के सदस्यों और दोस्तों से मार्गदर्शन लेना जोखिम भरा हो, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं रहती कि उनके पास उचित जानकारी एवं सलाह मुहैया कराने का कौशल है। साथ ही, हमारा सर्वे दिखाता है कि ज्यादातर महिलाएं डिजिटल सुरक्षा सलाह उपलब्ध कराने वाले विश्वसनीय ऑनलाइन स्रोतों से अनजान हैं।

सर्वे से यह भी पता चलता है कि महिलाओं के सरल और अंतर्निहित ऑनलाइन सुरक्षा उपायों, मसलन–प्राइवेसी सेटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट तथा मजबूत पासवर्ड पर निर्भर रहने की संभावना ज्यादा होती है। जबकि, पुरुष अधिक उन्नत और मजबूत सुरक्षा उपायों का सहारा लेते हैं, जिनमें फायरवॉल, वीपीएन, एंटी–स्पाइवेयर, एंटी–मालवेयर, एंटी–ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर और बहु–स्तरीय प्रमाणीकरण जैसी तकनीकें शामिल हैं।

मनोज बाजपेयी ने 'फैमिली मैन' सीजन तीन की शूटिंग पूरी की

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने समीक्षकों द्वारा प्रशंसित अपनी सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है।

अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तस्वीर पोस्ट करते हुए यह खबर साझा की।

फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, शूटिंग पूरी हो गई!! 'फैमिली मैन 3' के लिए! और थोड़ा इंतजार...।

राज निदिमोरु और कृष्णा डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित प्राइम वीडियो एक्शन थ्रिलर सीरीज में बाजपेयी, प्रियामणि, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा सहित मूल कलाकार वापसी करेंगे।

सुमन कुमार और राज एंड डीके द्वारा लिखित, द फैमिली मैन'' सीजन तीन में बाजपेयी श्रीकांत तिवारी के अपने किरदार को फिर से निभाते नजर आएंगे, जो एक मध्यम वर्ग का व्यक्ति और विश्व स्तरीय जासूस है।

अभिनेता विक्की कौशल और कैटरीना कैफ शनिवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर फ़ोटो खिंचवाते हुए।

'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को लेकर अनुपम खेर और हंसल मेहता के बीच जुबानी जंग

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर और हंसल मेहता के बीच फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को लेकर जुबानी जंग हो गई। यह जुबानी जंग मेहता के एक पत्रकार के पोस्ट पर सहमति जताने के बाद शुरू हुई, जिसमें कहा गया था कि 2019 में प्रदर्शित हुई राजनीतिक ड्रामा फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बारे में 'झूठ' से भरी हुई थी।

भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। खेर और मेहता के बीच यह जुबानी जंग वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी की एक पोस्ट के बाद शुरू हुई। सांघवी ने शुक्रवार को फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को 'अब तक की सबसे खराब हिंदी फिल्मों में से एक' करार दिया।

यह फिल्म, सिंह के पूर्व मीडिया सलाहकार संजय बारू के संस्मरण 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' पर आधारित थी।

खेर ने फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अभिनेता अक्षय खन्ना ने बारू की भूमिका निभाई थी। विजय गुट्टे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सिंह के नेतृत्व के दौरान राजनीतिक घटनाओं और निर्णयों को दर्शाया गया।

फिल्म में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चुनौतियों और उनके प्रशासन पर कांग्रेस पार्टी के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

सांघवी ने 'एक्स' पर लिखा, अगर आप मनमोहन सिंह के बारे में जो झूठ बोले गए थे, उन्हें याद करना चाहते हैं, तो आपको 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को फिर से देखना चाहिए। यह न केवल अब तक की सबसे बुरी हिंदी फिल्मों में से एक है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे मीडिया का इस्तेमाल एक अच्छे आदमी की छवि को खराब करने के लिए किया गया। इससे पहले, फिल्मकार मेहता ने एक पोस्ट में सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया था और कहा था कि देश को 'उनसे माफी मांगनी चाहिए'। मेहता ने पोस्ट किया था, किसी और से ज्यादा मैं उनका ऋणी हूं। चाहे जो भी मजबूरी या इरादा हो, अफसोस है, जिसे मैं बहुत भारी मन से अपने साथ रखूंगा। माफ करें, सर। एक अर्थशास्त्री, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में आपकी उपलब्धियों के अलावा, आप एक सम्माननीय व्यक्ति थे।

मेहता द्वारा सांघवी के पोस्ट का समर्थन करने से हालांकि खेर नाराज हो गए, जिन्होंने फिल्म निर्माता को 'पाखंडी' करार दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मेहता ने फिल्म के 'क्रिएटिव डायरेक्टर' के रूप में काम किया था।

खेर ने कहा, इन सबमें पाखंडी वीर सांघवी नहीं हैं। उन्हें किसी फिल्म को नापसंद करने की आजादी है। लेकिन हंसल मेहता फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के 'क्रिएटिव डायरेक्टर' थे, जो इंग्लैंड में फिल्म की पूरी शूटिंग के दौरान मौजूद थे।

उन्होंने अपनी क्रिएटिव जानकारी दी और इसके लिए उन्होंने फीस भी ली होगी। अभिनेता खेर (69) ने लिखा, इसलिए वीर सांघवी की टिप्पणी पर 100 फीसदी भरोसा जताना बहुत ही गड़बड़ और दोहरे मानदंडों से भरा है! खेर ने कहा कि हालांकि वह सांघवी की राय से सहमत नहीं हैं, लेकिन उनका मानना है कि कलाकार 'बुरा या उदासीन काम कर सकता है।

रानी चटर्जी ने मिट्टी के चूल्हे पर पकाया खाना

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म जगत की खूबसूरत और सफल अभिनेत्री रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह मिट्टी के चूल्हे पर खाना पकाती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग में सबसे अच्छी बात क्या है। आगामी फिल्म से जुड़ी पोस्ट हो या जिंदगी से जुड़ी कोई और अपडेट, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने प्रशंसकों को नए–नए पोस्ट से मुखातिब कराती रहती हैं। इसका सबूत है उनका इंस्टाग्राम। आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से इंस्टाग्राम पर एक ताजा पोस्ट साझा कर रानी चटर्जी ने कैप्शन में गांव के लिए एक लाइन में ही अपने जज्बात को उतार दिया। उन्होंने लिखा, फिल्म की शूटिंग की सबसे अच्छी बात है कि इससे गांव के जीवन का बहुत अच्छा अनुभव मिलता है। 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट पर।

रानी चटर्जी इंटरनेट पर छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' सेट से एक पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को बताया था कि सर्दी बढ़ चुकी है। तस्वीरों में अभिनेत्री लाल रंग की साड़ी के साथ शॉल ओढ़े नजर आईं। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने शूटिंग से इतर छत पर किए अपने वर्कआउट का वीडियो भी साझा किया था। वीडियो के साथ अभिनेत्री ने लिखा था, जब भी वक्त मिले, गांव की सुबह और छत पर धूप। शूट से पहले कुछ कैलोरी बर्न की। नोट–सिंदूर शूट के लिए लगाया है। वीडियो की शुरुआत में वह 'कॉफी' पीती दिखी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रानी चटर्जी पिछली बार शो 'बेटी हमारी अनमोल' में दिखी थीं। इसमें रानी के साथ लीड रोल में जूही असलम और प्रथम कुंवर दिखे थे। वह 'मस्तराम', 'वर्जिन भास्कर 2' और 'वो पहला प्यार' जैसे वेब शो में भी काम कर चुकी हैं।

जब सुरक्षाकर्मियों ने बिग बी के साथ किया था बुरा बर्ताव

मुंबई/एजेन्सी

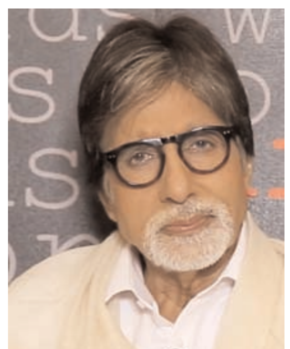

लोकप्रिय टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में अमिताभ बच्चन न केवल कंटेस्टेंट्स के साथ मजेदार अंदाज में खेल खेलते हैं बल्कि अक्सर उनसे अपनी जिंदगी के खास किस्से भी शेयर करते नजर आते हैं। 'बिग बी' ने हाल ही में अपने जीवन से जुड़ी एक मजेदार घटना साझा की। उन्होंने बताया कि स्टार कलाकार होने के बावजूद उन्हें एक कार्यक्रम में प्रवेश नहीं करने दिया गया था। यह चौंकाने वाला खुलासा अमिताभ ने अपने लोकप्रिय गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' में किया। इस एपिसोड में उनके सामने हॉट सीट पर गायक गुरदास मान और शंकर महादेवन बैठे नजर आए।

एपिसोड के प्रोमो में अमिताभ ने बताया कि उनके साथ सुरक्षाकर्मी ने बुरा बर्ताव किया था। अभिनेता ने कहा, मैं 80 के दशक की बात कर रहा हूं, जब हमने पहली बार स्टेज शो करना शुरू किया था। मेरी यात्रा अमेरिका में एक शो से शुरू हुई और यह इतना हिट हुआ कि इससे दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। मैं परफॉर्म के लिए गेट की ओर बढ़ा ही था कि उन्होंने हमें रोक दिया। उन्होंने मुझसे कहा, आप अंदर नहीं जा सकते। इस पर मैंने कहा, मैं कलाकार हूं, मुझे अंदर जाना होगा। अमिताभ ने कहा, शाहरुख खान ने भी एक बार मेरे साथ ऐसा ही अनुभव शेयर किया था। दिल्ली में एक शो के दौरान, जब उनकी लोकप्रियता चरम पर थी, कार्यक्रम विशेष रूप से उनके लिए आयोजित किया जा रहा था। उन्हें पहुंचने में देर हो गई और जैसे ही उन्होंने अंदर जाने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

'बिग बी' के अनुसार, शाहरुख ने उनसे कहा, मैं शाहरुख खान हूं तो अधिकारी ने जवाब दिया आप शाहरुख खान हो सकते हैं, लेकिन आप अंदर नहीं जा सकते। 'कौन बनेगा करोड़पति' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आता है। नए साल की पूर्व संध्या के एपिसोड में गायक गुरदास मान और शंकर महादेवन हॉट सीट पर बैठे नजर आएंगे। साल का विशेष एपिसोड मंगलवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

मेरी टीम ने असाइनमेंट को सही से नहीं समझा : गीता कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी कोरियोग्राफर गीता कपूर का कहना है कि उनकी टीम ने असाइनमेंट को सही से नहीं समझा जो निराशाजनक बात है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का होमग्रोन फ़ॉर्मेट इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैंपियंस का टशन एक हाई–स्टेक डांस प्रतियोगिता है, जिसकी मेज़बानी हर्ष लिम्बाचिया कर रहे हैं। इस शो में दो प्रतिभाशाली टीमें एक–दूसरे से मुकाबला करती हैं, जहां मलाइका अरोड़ा के हाथों में आईबीडी की बागडोर है और गीता कपूर के हाथ में टीम एसडी की। प्रसिद्ध कोरियोग्राफ़र रेमो डिसूज़ा के मार्गदर्शन में, 12 असाधारण डांसर्स अल्टीमेट चैम्पियन बनने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस वीकेंड, शो में स्टार डांसर्स और प्रसिद्ध कोरियोग्राफ़र्स धर्मेश येलांडे और पुनीत जे. पाठक का स्वागत किया जाएगा, जो क्रमशः टीम इंडियाज़ बेस्ट डांसर और टीम सुपर डांसर का समर्थन करने पहुंचेंगे।

टीम सुपर डांसर ने अपनी प्रतिभाशाली जोड़ी, परी और अर्शिया को 'हवा हवाई' गाने पर परफ़ॉर्म करने के लिए चुना, जिसमें उन्होंने योगा मैट को एक प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया। उनके परफ़ार्मेंस को मलाइका और गीता ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया। टीम आईबीडी की कप्तान मलाइका ने परी की तारीफ करते हुए कहा, परी, आप लाजवाब हो। आप एक बेहतरीन अदाकारा हो। जो कुछ भी आप करती हो वह बेहद मज़ेदार, बहुत वास्तविक और इतना दिल को छूने वाला होता है। आपको देखना खुशी की बात है। रेमो ने हर्ष से पूछा कि क्या परी 'छोटी भारती' जैसी लगती हैं, जिस पर हर्ष ने जवाब दिया, एकदम सेम, वह इतने कम समय में इतने शानदार एक्सप्रेशन्स देती है। रेमो को परी का परफ़ॉर्मेंस बहुत पसंद आया और उन्होंने आगे कहा, मुझे माफ करना अर्शिया, लेकिन यह एक्ट पूरी तरह से परी का था। शुरुआत से ही, परी ने इसे अपना बना लिया था; परी, आप स्टार हो।

गीता मां जानती थी कि दूसरी टीम ने प्रॉप्स का इस्तेमाल करने के तरीके को लेकर बेंचमार्क सेट कर दिया है और कहा, मैं यह काम 20 साल से कर रही हूं, और इससे पहले, रेफर करने योग्य कोई बेंचमार्क नहीं था, जहां हम कह सकें कि प्रॉप्स का इस तरह इस्तेमाल करना चाहिए। आज इस एक्ट से यह मुमकिन हो गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि उनकी टीम ने असाइनमेंट को नहीं समझा। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि मेरी टीम उस एक्ट पर गौर करें; मुझे लगता है कि मेरी टीम ने असाइनमेंट को सही से नहीं समझा, यह निराशाजनक बात है। उन्होंने कैप्टन्स से लीक से हटकर सोचने के लिए कहा, मुझे लगा कि आप सभी डांस पर बहुत अधिक और प्रॉप पर कम निर्भर थे। यह असाइनमेंट उस एक प्रॉप का इस्तेमाल करने और इसे नवीन या रचनात्मक बनाने के बारे में है। इस वीकेंड, इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर: चैंपियंस का टशन शाम 7 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा।

'अवैध आंकड़ा संग्रहण' के आरोप में आप की 'महिला सम्मान' योजना को लेकर जांच

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने महिला सम्मान योजना के नाम पर महिलाओं की निजी जानकारी एकत्र करने वाले निजी व्यक्तियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। उनके कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आप ने आरोप लगाया कि भाजपा उसकी योजना को रोकना चाहती है और उसे फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में हार का डर है।

उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव इस मामले को मुख्य निर्वाचन कार्यालय के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में ला सकते हैं, क्योंकि इस तरह का प्रचार–प्रसार चुनाव से पहले हो रहा है। जांच का आदेश कांग्रेस नेता और नई दिल्ली विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार संदीप दीक्षित की शिकायत के आधार पर दिया गया, जिन्होंने हाल ही में राज निवास में सक्सेना से मुलाकात की थी। मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को संबोधित एक पत्र में उपराज्यपाल के प्रमुख सचिव ने कहा, माननीय उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव को गैर–सरकारी लोगों द्वारा व्यक्तिगत विवरण और फॉर्म एकत्र करने के मामले में संभागीय आयुक्त के माध्यम से जांच कराने की इच्छा व्यक्त की है। इसमें कहा गया है कि पुलिस आयुक्त क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे किसी भी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें जो नागरिकों को लाभ दिलाने के नाम पर उनके व्यक्तिगत विवरण एकत्र करके उनकी गोपनीयता का उल्लंघन करता पाया जाता है।

दीक्षित ने बुधवार को सक्सेना से मुलाकात की और महिला सम्मान योजना के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं, जिसके तहत दिल्ली सरकार ने शहर की 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला को 1,000 रुपए प्रति माह देने का वादा किया है। आप ने कहा कि अगर वह दोबारा सत्ता में आई तो सरकार इस राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपए प्रति माह कर देगी। पत्र के अनुसार, दीक्षित ने आरोप लगाया कि आप कार्यकर्ता घर–घर जाकर महिलाओं से मिल रहे हैं और उनसे कुछ फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा रहे हैं। पत्र में कहा गया, दीक्षित ने अनुरोध किया है कि महिला एवं बाल विकास विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण के कारण यह स्पष्ट है कि यह आप द्वारा की जा रही एक धोखाधड़ी है और उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया है।

एक विशेष प्रार्थना समारोह में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए।

केटी रामा राव के खिलाफ ईडी मामला धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत नहीं आताः बीआरएस नेता कुमार

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता बी विनोद कुमार ने शनिवार को कहा कि 2023 में हैदराबाद में फॉर्मूला–ई रेस के आयोजन में भुगतान अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज किया गया मामला धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत नहीं आता।

कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि पार्टी इस मामले को कानूनी रूप से चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि कोई धनशोधन नहीं हुआ है और पीएमएलए के तहत आरोपों का कोई आधार नहीं है। बीआरएस नेता मन्ने कृषांक ने रामा राव के खिलाफ फॉर्मूला–ई मामले को ''राजनीति से प्रेरित करार दिया। इस मामले की जांच तेलंगाना सरकार का भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) भी कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के दौरान हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला–ई रेस के दौरान कथित भुगतान अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में रामा राव और कुछ अन्य को अगले महीने पूछताछ के लिए बुलाया है। संघीय एजेंसी ने तेलंगाना पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पिछले सप्ताह धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) या प्राथमिकी दर्ज की थी।

तीन जनवरी, 2025 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा 'गुनाह सीजन-2'

मुंबई/एजेन्सी

अनिल सीनियर निर्देशित, गश्मीर महाजनी, सुरभि ज्योति अभिनीत गुनाह सीजन 2, तीन जनवरी 2025 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर विशेष रूप से स्ट्रीम होगा। डिज्नी+ हॉटस्टार बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन के साथ बहुचर्चित गुनाह को वापस लाने के लिए रोमांचित है।अभिमन्यु (गश्मीर महाजनी), तारा (सुरभि ज्योति), जेके (दर्शन पांड्या) और माइकल (शशांक केतकर) जैसे कलाकारों से सजी यह श्रृंखला तीन जनवरी, 2025 से स्ट्रीम होगी। निर्देशक अनिल सीनियर ने कहा, मैं अपने दर्शकों के लिए गुनाह सीजन 2 लाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। डिज्नी+ हॉटस्टार पर सीजन 1 की जबरदस्त सफलता के बाद, हम जानते थे कि हमें दांव और भी ऊंचा उठाना होगा। यह सीजन सिर्फ बदला और विश्वासघात के बारे में नहीं है; यह प्रत्येक किरदार की भावनाओं को तलाशने के बारे में है। उनकी यात्राएँ अधिक जटिल हैं, और मुझे विश्वास है कि दर्शक वास्तव में उनके संघर्षों की गहराई से जुड़ेंगे।

तारा का किरदार निभाने वाली सुरभि ज्योति ने कहा, सीज़न 1 ने सभी को तारा की दुनिया से परिचित कराया। उसके संघर्ष, उसके रिश्ते और उसकी पसंद का भार। लेकिन सीज़न 2 बिल्कुल नए स्तर पर है। तारा को ऐसी परिस्थितियों में फेंक दिया जाता है जो उसके लिए खड़े हर चीज को चुनौती देती हैं, जिससे उसकी ताकत और भावनायें अपनी सीमा तक पहुंच जाती हैं। अभिमन्यु का किरदार निभाने वाले गश्मीर महाजनी ने साझा किया, गुनाह सीजन 2 में अभिमन्यु का सफर किसी असाधारण से कम नहीं है। इस बार, उसकी पसंद अधिक कठिन है, उसके संघर्ष अधिक गहरे हैं, और उसकी कमजोरियाँ सामने आई हैं। उसके विकास को चित्रित करना चुनौतीपूर्ण और पुरस्कृत दोनों था, खासकर जब वह इस सीजन को परिभाषित करने वाले अशांत रिश्तों और उच्च–दांव वाले फैसलों से निपटता है। मुझे विश्वास है कि दर्शक उसके चरित्र की जटिलताओं और उसकी कहानी की भावनात्मक गहराई से जुड़ जाएंगे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंही महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज ने कहा कि भगवान ने सब कुछ इस जीव को दिया है लेकिन हम खोज नहीं पा रहे और हमें इसका ज्ञान नहीं हो पा रहा है कि सब कुछ हमारे ही अंदर है।

'सकारात्मक विचारों से जीवन परिवर्तन संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्र महाराज की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में समणी सेंटर में चल रहे जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना शिविर के अंतर्गत सकारात्मक ऊर्जा एवं भावनाओं का अनुभव करने के लिए हमें अपनी सोच और दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता के विषय में डॉ. सुयशनिधिजी ने बताया। डॉ. समणी ने कहा कि सकारात्मक भावनाएं हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये न केवल हमें खुशी और संतोष का अनुभव कराती हैं, बल्कि हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती हैं। सकारात्मक भावनाएं जीवन में आशा, प्रेरणा और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। सकारात्मक भावनाओं से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। सकारात्मक भावनाएं तनाव, चिंता और अवसाद को कम करती हैं। ये हमें कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति देती हैं। सकारात्मक भावनाएं हमारे सोचने की क्षमता को बढ़ाती हैं, जिससे हम अधिक रचनात्मक और उत्पादक बनते हैं।

'प्रभु के प्रति लगन ही है प्रभु शक्ति को प्राप्त करने का एकमात्र साधन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ में शनिवार को व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंही महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज ने कहा कि भगवान ने सब कुछ इस जीव को दिया है लेकिन हम खोज नहीं पा रहे और हमें इसका ज्ञान नहीं हो पा रहा है कि सब कुछ हमारे ही अंदर है। यह अज्ञानी जीव भागवत प्रदान प्रसाद को अपने अंदर नहीं ढूंढ पा रहा है। परन्तु 6 चीजें लाभ, हानि, जीवन, मरण, यश और अपयश भगवान ने अपने अधीन ही रखा है। मनुष्य के कर्मों के हिसाब से भगवान यह सब प्रदान कर देते हैं। शरीर की गारंटी सिर्फ परमात्मा ही दे सकते हैं,मनुष्य का इस पर कोई अधिकार है। शरीर को किराए का मकान बताया गया है जिसके मालिक परमात्मा हैं। उनका जब मन चाहे इसे खाली कर सकते हैं। किरायेदार रूपी मनुष्य का इस पर कोई नियंत्रण नहीं। जिन्होंने इस शरीर को बनाया है वह परम पिता परमेश्वर ही इस शरीर को नियंत्रित कर सकते हैं।

संतश्री ने कहा कि जब धर्म-कर्म की बात होती है तब मनुष्य समय की दुहाई देता है परन्तु वह नहीं जानता कि जब समय का चक्र चलेगा तब उसे समय के पीछे भागना पड़ता है। कृष्णलीला का एक प्रसंग सुनाते हुए कथावाचक ने कहा कि भगवान कृष्ण की 16,108 रानियां थीं, एक बार देवर्षि नारद भगवान के पास पहुंचे और सभी रानियों से मिलने की इच्छा व्यक्त की, जिससे वो जान सके कि भगवान सभी रानियों को कैसे समय दे पाते हैं।

देवर्षि नारद जिस भी रानी के पास गए वहीं उन्हें प्रभुश्री कृष्ण नजर आए। इस पर नारदजी बोले कि जो सबके साथ है, जो सबके सुख-दुख का साथी हो वही इस पृथ्वी को चलाने की ताकत रखते हैं। ऐसे परम पिता परमेश्वर जो इतने व्यापक है हम उन्हें भूलकर कैसे अपना जीवन शांतिपूर्वक जी सकते हैं।

जब तक भगवती शक्ति को कोई प्राप्त नहीं कर लेता तब तक कोई शांत नहीं रह सकता। इस भगवती शक्ति को प्राप्त करने का एक ही साधन है उन परम पिता परमेश्वर का प्रति लगन। जो भागवत भजन में रहेंगे वही इस आनंद को प्राप्त कर पाएंगे। सत्संग करें और धर्म का मार्ग प्रशस्त करें, इसी में विश्व का कल्याण है।

बोहरा बने हलसूर जैन संघ के नए अध्यक्ष, बांठिया फिर बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हलसूर के चुनाव में धनपतराज बोहरा को अध्यक्ष, अभयकुमार बांठिया को मंत्री एवं दिलीपकुमार गादिया को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ ही नवीनकुमार ओस्तवाल एवं गौतमचंद छाजेड़ को उपाध्यक्ष तथा धनपतराज तातेड व भभूतमल तालेड़ा को सहमंत्री बनाया है। नए पदाधिकारियों के मनोनयन के पश्चात आयोजित बैठक में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के होली चातुर्मास तथा महासतिश्री शशिप्रभाजी के वर्ष 2025 में अलसूर चातुर्मास के लिए निवेदन करने का निर्णय लिया गया।नए अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया। मंत्री अभयकुमार बांठिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यकारिणी समिति में नेमीचंद चोरड़िया, उत्तमचंद तातेड, धर्मीचंद बोहरा, जसवंत मकाना, उगमराज मुथा, प्रकाशचंद नाहटा, महेंद्र मकाना, तेजराज तातेड, सुनील कावड़िया, मनोज गादिया, जयंतीलाल गादिया, राजेश बोरुंदिया एवं मोहनलाल मुथा को शामिल किया है ।

प्रिंसेस ग्रीन सभागार में आज सजेगा विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम का दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में आज रविवार को पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन सभागार में दोपहर से झुंझनु वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 2 बजे से 101 जोड़ों द्वारा मनोकामना पूर्ति अभिषेक किया जाएगा जिसमें जावा फूल, बिल्व पत्र, तुलसी पत्र, मिश्री, काजू, किशमिश से झुंझुनूं वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम व भक्त शिरोमणि देवकीनंदन और माता गायत्रीजी का अभिषेक किया जाएगा। सायं 4 बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित कर पूजा की जाएगी। महोत्सव में मुम्बई के गायक राकेश बावलिया भजनों की प्रस्तुति देंगे। सायं 6 से कोलकाता के गायक केशव मधुकर द्वारा भजनों की प्रस्तुति व बाबा गंगाराम के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है।

उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जय कर्नाटक रक्षण सेना द्वारा एवेन्यू रोड पर बन्डे महाकाली उत्सव एवं कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के राज्य अध्यक्ष के राजप्पा ने ध्वजारोहण किया तथा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। संस्था की ओर से मुणोत का सम्मान किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सेपिंग्स रोड स्थित हीरा बाग जैन स्थानक संघ के नंदकिशोर समदरिया, गौतम नाहर ,मंत्री अशोक बाँठिया, दिनेश लोढ़ा, धनराज सोनी, सुरेश बाँठिया आदि ने क्षेत्र के विधायक रिजवान अहमद से उनके निवास पर मुलाकात कर उनके द्वारा दी गर्स विशेष सहायता व सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और सम्मान किया।

कुम्बलगुड सेवा केन्द्र में कर्नाटक स्तरीय संस्कार निर्माण शिविर सम्पन्न

बालिकाओं ने लिया धार्मिक, सामाजिक व अन्य विषयों पर प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा द्वारा निर्देशित तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा कुम्बलगुड के सेवा केन्द्र में साध्वीश्री उदितयशाजी की निश्रा में आयोजित कर्नाटक स्तरीय संस्कार निर्माण शिविर का समापन हुआ। इस शिविर में 54 बालिकाओं ने ब्रह्म मुहूर्त में भक्तामर थेरेपी की इस शिविर में जर्नी टू जैनिज्म के बारे में जानकारी दी।

'तेरापंथ ही मेरा पंथ' थीम पर बालिकाओं ने मंत्र थिरेपी, श्वास प्रशिक्षण, स्वस्थ रहने के गुर, अपनी किस्मत खुद लिखो,निर्जरा का हिसाब किताब आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। मोटिवेशनल वक्ता सीमा गादिया, भावना कोठारी ने मोबाइल उपयोग व भावनों को नियंत्रण करने के तरीके बताए। साध्वीश्री उदितयशाजी, संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी, शिक्षाप्रभाजी ने बालिकाओं को विभिन्न धार्मिक व सामाजिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

समापन समारोह में सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया तथा महासभा के प्रतिनिधि संजय बांठिया ने कहानी के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने साध्वीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर व तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र के अध्यक्ष अमित नाहटा के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रेष्ठ ज्ञानार्थी के रुप में बेंगलूरु की रिषीता नाहर व हासन की यशी सहित पांच संस्कारी बालिकाओं, पांच अनुशासित बालिकाओं को भी पुरस्कार दिया गया। संचालन नीता गादिया ने किया। सभा पूर्व अध्यक्ष सुरेश दक ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महासभा के प्रकाश लोढ़ा, महेन्द्र दक, माणक संचेती,सभा सहमंत्री सुभाष पोखरना, तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र के मंत्री मदन बरमेचा उपस्थित थे ।

श्याम दीवाने की 'सबका प्यारा-श्याम हमारा' भजन संध्या आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम दीवाने के तत्वावधान में वार्षिकोत्सव के रुप में 'सबका प्यारा-श्याम हमारा' भजन संध्या के तहत आज 29 दिसम्बर को विजयनगर, होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास सुगन्ना कल्याण मंडप में कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का विशेष दरबार सजाया जाएगा। इस भजन संध्या में मशहूर भजन गायक रामकुमार लख्खा नोएडा, राहुल गहरवार कोलकाता भजनों की प्रस्तुति देंगे। नरेश पुनिया एण्ड पार्टी संगीत की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव में दोपहर 2 बजे से पूजा व अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। प्रभु दर्शन व अखंड ज्योत के दर्शन के लिए आयोजकों ने विशेष व्यवस्था की है और सभी श्याम भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

युद्ध, शांति और समन्वय का प्रतीक वैष्णव संप्रदाय के धर्मध्वजा

सनातन परंपरा में ध्वजा को संस्कृति, विजय, और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। धर्म ध्वजा, हिन्दू संस्कृति और बौद्ध संस्कृति एवं धर्म का शाश्वत प्रतीक है। धर्म ध्वजा को लगाने के लिए कम से कम 50 फुट की लकड़ी (तनी) का प्रयोग किया जाता है।

कुंभनगर/एजेन्सी। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में वैष्णव संप्रदाय का धर्म ध्वजा युद्ध, शांति और समन्वय का प्रतीक है।

महाकुंभ मेले में शनिवार को वैष्णव संप्रदाय के निर्वाणी अणि अखाडा, निर्मोही अणि अखाड़ा, और दिगम्बर अणि अखाड़े का धर्मध्वजा की स्थापना कर चरण पादुका का पूजन कया गया।

श्री निर्वाणी अणि अखाडा के अध्यक्ष मुरली दास ने बताया कि धर्मध्वजा अखाडों की आन, बान और शान होते हैं।अखाड़ों के छावनियों में लहरा रही विशाल धर्म ध्वजाएं आन, बान और शान का प्रतीक हैं। अखाडों के शिविर में लहरा रही धर्मध्वजा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बन रही है। ये अखाड़ों के सम्मान का प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि धर्म ध्वजा की स्थापना के बाद अखाड़ों में कुंभ का आगाज होता है। अर्ध कुंभ, कुंभ और महाकुंभ में पेशवाई के पहले सभी अखाड़े अपने शिविर (छावनी) में धर्मध्वजा स्थापित किए जाते हैं। इसकी स्थापना शुभ मुहुर्त एवं शुभ दिन में की जाती है। धर्म ध्वजा के बगल ही अखाड़ों के इष्टदेव प्रतिष्ठित किए जाते हैं।

सनातन परंपरा में ध्वजा को संस्कृति, विजय, और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। धर्म ध्वजा, हिन्दू संस्कृति और बौद्ध संस्कृति एवं धर्म का शाश्वत प्रतीक है। धर्म ध्वजा को लगाने के लिए कम से कम 50 फुट की लकड़ी (तनी) का प्रयोग किया जाता है। यह बिल्कुल सीधा होता है। उन्होंने कहा कि धर्म ध्वजा की स्थापना के बाद अखाड़ों में कुंभ का आगाज होता है।

अखाड़े के मंत्री प्रेमदास जी महराज ने बताया कि वैष्णव परंपरा के तीनों अणि अखाड़े के आराध्य ईष्ट देव एक ही देवता हनुमान जी ही हैं, लेकिन तीनों अणि अखाड़े की धर्म ध्वजाएं अलग-अलग रंगों की हैं। निर्वाणी अखाडे के धर्मध्वजा का लाल रंग की होता है जो युद्ध का प्रतीक होता है। निर्मोही अखाड़े का ध्वज सफेद रंग का होता है जो शांति का प्रतीक है जबकि दिगंबर अखाड़े का ध्वजा में पांच रंग होते हैं। यह पचरंगा समन्वय का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि अखाड़े में ऊंची और चारों दिशाओं का संकेत देती धर्म ध्वजाएं स्थापित की गई हैं। इन्हीं चार कोनों में धर्म ध्वजा का बंधन रहता है। इन्हीं चार कोनों में धर्म ध्वजा का बंधन रहता है। धर्म ध्वज अनादिकाल से सनातन धर्म की पहचान रहे हैं।

प्रेमदास महराज ने बताया कि हनुमंत लाल उनके मुख्य देवता हैं। पश्चिम द्वार को संकेत करती निर्वाणी अणि अखाड़े की धर्मध्वजा लहरा रही है। यहां की ध्वजा लाल रंग की है। लाल रंग हनुमान का प्रतीक है। निर्मोही अनी में ध्वज का रंग सफेद (सुनहला) है। यह शांति एवं शुभता का प्रतीक है। इसे अखाड़े नल नील से भी जोड़ते हैं।

आत्मकल्याण के लिए शरीर मात्र एक साधन है : विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए कहा कि चार कषाय संसारी जीव के सदैव साथ में रहते हैं। शरीर भी एक साधन ही है, उसको साधन की तरह उपयोग लिया जाए तो सच्ची समझदारी है। तीर्थंकर देव ने जमीन, मकान, शरीर और उपधि इन चारों को जीवन जीने का मात्र साधन बताया है। उल्टा आज इन साधनों को धर्म क्षेत्र में साध्य बना लिया गया।

साधन जब साध्य बन जाता है तो इंसान की मति उल्टी हो जाती है। क्रोध करने में, मन माफिक करने में, माया में और लोभ की आग में लगे हुए इंसान को धर्म का उपदेश समझ में ही नहीं आता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

चीनी जासूसी अभियान की शिकार हुई नौवीं टेलीकॉम कंपनी

वाशिंगटन।व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि नौवीं अमेरिकी दूरसंचार कंपनी को चीनी जासूसी अभियान के तहत हैक कर लिया गया है, जिससे बीजिंग में बैठे अधिकारियों को अज्ञात संख्या में अमेरिकियों के निजी संदेशों और फोन पर हुई बातचीत के बारे में जानकारी मिल गई है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने इस महीने कहा था कि कम से कम आठ दूरसंचार कंपनियां और दर्जनों देश 'साल्ट टाइफून' के नाम से जाने जाने वाले चीनी हैकिंग हमले से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि चीनी हमले की शिकार नौवीं दूरसंचार कंपनी की पहचान हुई है। अधिकारियों ने कहा है कि हैकरों ने दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क में सेंध लगाकर ग्राहकों के कॉल रिकॉर्ड हासिल किए और सीमित संख्या में व्यक्तियों के निजी संचार तक पहुंच बनाई है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com